आज का विचार

असफलताएं आपको डगमगाने की कोशिश करेंगी, लेकिन आप मेहनत करने में व्यस्त रहिए, सफलता आपके कदम जरुर चूमेगी

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

7

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। रविवार, 24 मई, 2026 | वर्ष 24, अंक 124, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

भारतीय युवाओं के हित में अंतरराष्ट्रीय संबंध उद्देश्यपूर्ण तरीके से बनाए गए हैं: मोदी

प्रधानमंत्री ने 51 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, कहा- विकसित भारत में युवाओं की होगी बड़ी भूमिका

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित 19वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि देश का युवा विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाला है और आने वाले वर्षों में नई अर्थव्यवस्था तथा टेक्नोलॉजी आधारित क्षेत्रों में रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन देशभर के हजारों युवाओं और उनके परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। नियुक्ति पाने वाले युवा रेलवे, बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं तथा वे देश की विकास यात्रा के जिम्मेदार भागीदार बनेंगे।

मोदी ने कहा कि हाल ही में उनकी पांच देशों की यात्रा के दौरान दुनिया की बड़ी कंपनियों के प्रमुखों से विस्तृत चर्चा हुई और हर जगह भारत के युवाओं तथा देश की तकनीकी प्रगति को लेकर उत्साह दिखा। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है और भारत विभिन्न देशों के साथ साझेदारी बढ़ाकर युवाओं के लिए नए अवसर तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि क्लीन एनर्जी, क्रिटिकल मिनरल्स, ग्रीन हाइड्रोजन और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ ग्रीन ट्रांजिशन और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी

में सहयोग बढ़ने से भारत भविष्य की क्लीन मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में मजबूत होगा। यूएई और नॉर्वे के साथ साझेदारी से भारत का शिपबिल्डिंग इकोसिस्टम भी मजबूत होगा, जिससे इंजीनियरों, टेक्निशियनों और स्किल्ड वर्कर्स की मांग बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि देश 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर तैयार हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है और देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चेन विकसित की जा रही है। आने वाले वर्षों में भारत की 10 बड़ी सेमीकंडक्टर यूनिट्स वैश्विक स्तर पर पहचान बनाएंगी और इनमें युवाओं की बड़ी भूमिका होगी।

मोदी ने कहा कि गांवों में बढ़ती कनेक्टिविटी से किसानों, छोटे व्यापारियों और विद्यार्थियों के लिए नए अवसर खुले हैं। उन्होंने नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि आज बड़ी संख्या में महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप सामने आ रहे हैं और मुद्रा योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को आर्थिक सहायता मिली है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से सार्वजनिक सेवा को राष्ट्रसेवा और जनसेवा का माध्यम मानकर कार्य करने का आ'ान किया।

उल्लेखनीय है कि देशभर में आयोजित 18 रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक करीब 12 लाख नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। 19वां रोजगार मेला देश के 47 स्थानों पर आयोजित किया गया। इस दौरान चयनित अभ्यर्थियों को रेल, गृह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग समेत विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में नियुक्ति दी गई।

अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

ट्रंप की ओर से व्हाइट हाउस आने का दिया न्योता

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से उन्हें निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया। बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। रूबियो ने रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी, व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। रूबियो ने पश्चिम एशिया की स्थिति समेत विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिकी दृष्टिकोण भी साझा किया। मोदी ने शांति प्रयासों के प्रति भारत के लगातार समर्थन को दोहराते हुए कहा कि सभी संघर्षों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से होना चाहिए। उन्होंने रूबियो से राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी शुभकामनाएं पहुंचाने का आग्रह किया और कहा कि वह उनके साथ आगे भी निरंतर संवाद की अपेक्षा रखते हैं। मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो का स्वागत करके खुशी हुई। भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हो रही निरंतर प्रगति और क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका वैश्विक हित के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

हर घर तक स्वच्छ पेयजल व सीवरेज सुविधा पहुंचाना सुनिश्चित करें: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा की

हर 5000 की आबादी पर एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की कार्ययोजना तैयार की जाए: मुख्यमंत्री

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़ (सिटी दर्पण)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हर घर तक स्वच्छ पेयजल व सीवरेज सुविधा पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। जनस्वास्थ्य विभाग नागरिकों को विकसित देशों की तर्ज पर पेयजल व सीवरेज सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए अगले 5 साल का लक्ष्य तैयार करे और इसकी कार्ययोजना को टाईमलाइन सहित इसे अगली बैठक में प्रस्तुत करे।

यह निर्देश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने प्रदेश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सरकार द्वारा अलॉट किए गए 100-100 वर्ग गज प्लाटों तथा नई अप्रूव्ड कालोनियों में पेयजल व सीवरेज सुविधाओं की जानकारी लेते हुए इनकी उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री जे गणेशन ने विभाग के अगले 5 वर्षों के विजन के तहत जलापूर्ति कनेक्शन आधारभूत ढांचे, सीवरेज कनेक्शन, उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग, सेंट्रलाइज्ड एसटीपी मॉनिटरिंग, तथा एआई सक्षम शिकायत विश्लेषण के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अगले 5 वर्ष का रोडमैप प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पीने का पानी जीवन की पहली जरूरत है और केंद्र सरकार की तहर प्रदेश सरकार भी हर नागरिक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने को

अपनी जिम्मेदारी मानती है। उन्होंने कहा कि हर 5000 की आबादी पर एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की कार्ययोजना तैयार की जाए और सभी जलघरों को नहरी पानी से आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सरकार द्वारा जहां-जहां पात्र परिवारों को 100-100 वर्ग गज के प्लाट उपलब्ध करवाए गए हैं और जो कालोनियां वैध की गई हैं उन सभी में प्राथमिकता के आधार पर पेयजल, सीवरेज, बिजली सुविधा दी जाए और सड़क बनवाई जाए।

उन्होंने कहा कि हमें भविष्य के स्मार्ट शहर बनाने होंगे जहां 24 घंटे पेयजल आपूर्ति हो सके। इसके पायलट प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने गुरुग्राम जैसे किसी एक या दो शहरों का चयन करके प्रयोग करने को कहा जिसके शत-प्रतिशत घरों में पानी के कनेक्शनों पर मीटर लगे हों। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो नहरों से जलघरों तक पानी पाइपों के माध्यम से लाया जाए ताकि इसकी वाष्पीकरण से होने वाली बबार्दी को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल की तरह हर गांव, शहर व कालोनी के प्रत्येक घर तक सीवरेज सुविधा भी पहुंचानी सुनिश्चित की जाए। जहां बहुत पुरानी सीवरेज प्रणाली है उसकी मरम्मत करने अथवा नई लाइन डालने की भी कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके लिए मशीनों की मदद लेकर यह कार्य जल्द पूरे करवाए जाएं ताकि सड़क की खुदाई के कारण आमजन को परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सीवरेज लाइन 50-60 सालों के लिए डाली जाती है, इसलिए भविष्य की बढ़ती जरूरतों का अनुमान लगाकर पर्याप्त क्षमता की सीवरेज लाइन डाली जाएं। उन्होंने कहा कि सीवरेज के संशोधित जल का उद्योगों और कृषि के क्षेत्र में उपयोग करने की योजना भी बनाई जाए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि जमीन में सीवरेज, पेयजल, इंटरनेट, गैस व तेल की लाइनें डली होती हैं। किसी एक विभाग द्वारा अपने काम के लिए सड़क की खुदाई करने के चलते दूसरी सेवाएं प्रभावित होने की आशंका रहती है। इसके साथ ही ऐसा भी होता है कि सड़क बनने के बाद उसे सीवरेज या पेयजल लाइनें डालने के लिए फिर से खोद दिया जाता है। इससे सरकारी धन की हानि तो होती ही है, साथ ही आमजन को भी परेशानी होती है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए अलग से एक विभाग या संस्था का गठन किया जाए जिसकी अनुमति के बाद ही सड़क की खुदाई का कार्य करवाया जा सके।

ईरान का आरोप- युद्ध समाप्ति वार्ता में अमेरिका नहीं बरत रहा ईमानदारी

तेहरान में पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के साथ हुई बैठक के दौरान क्षेत्रीय हालात और चल रहे कूटनीतिक प्रयासों पर हुई चर्चा

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कूटनीतिक प्रयासों के बीच ईरान ने अमेरिका पर वार्ता प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि युद्ध समाप्ति से जुड़ी बातचीत में अमेरिका की भूमिका पूरी तरह भरोसेमंद नहीं दिखाई दे रही है और ईरान अपने अधिकारों के मुद्दे पर किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।

तेहरान में पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के साथ हुई बैठक के दौरान क्षेत्रीय हालात और चल रहे कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब पाकिस्तान क्षेत्र में तनाव कम करने और विभिन्न पक्षों के बीच संवाद को बढ़ावा देने की कोशिशों में सक्रिय बताया जा रहा है। क्षेत्र में कई सप्ताह तक चले संघर्ष के बाद युद्धविराम लागू होने के बावजूद हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट के आसपास समुद्री गतिविधियां अभी भी प्रभावित बताई जा रही हैं। इस स्थिति का असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी पड़ रहा है, क्योंकि यह मार्ग अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार पाकिस्तान सेना प्रमुख ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से भी मुलाकात की। इस दौरान विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी मौजूद रहे। इसके अलावा विभिन्न स्तरों पर अलग-अलग बैठकों में संभावित समाधान और आगे की रणनीति पर चर्चा हुई।

रिपोर्टों के अनुसार बातचीत में ईरान द्वारा तैयार किए गए 14 बिंदुओं वाले प्रस्ताव पर भी विशेष ध्यान दिया गया। माना जा रहा है कि तेहरान चाहता है कि भविष्य की किसी भी वार्ता प्रक्रिया को इसी ढांचे के आधार पर आगे बढ़ाया जाए।

राघव चड्ढा राज्यसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। हाल में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को इस सदन की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने याचिका समिति का पुनर्गठन करने के बाद सदन के 10 सदस्यों को इस समिति के लिए नामित किया। राज्यसभा की एक अधिसूचना में कहा गया, 'राघव चड्ढा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।' समिति में चड्ढा के अलावा हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्तान राव यादव बीडा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाशीष खुंटिया, रवंगवरा नारजारी और संदोष कुमार पी. अन्य सदस्य हैं।

तेलंगाना में लू की चपेट में आने के कारण 16 की मौत: राजस्व मंत्री श्रीनिवास रेड्डी

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

तेलंगाना के राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को कहा कि राज्य में लू की चपेट में आने के कारण 16 लोगों की मौत हो गई है।

रेड्डी ने लू के कारण उत्पन्न स्थिति पर अधिकारियों के साथ बैठक की और बताया कि राज्य के सात जिलों में 16 लोगों की मौत हुई है।

मंत्री ने जिलाधिकारियों से प्राप्त रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि जयशंकर भूपलपल्ली जिले में चार लोगों की मौत हुई जबकि वारंगल, करीमनगर और निजामाबाद में तीन-तीन और जोगुलम्बा गडवाल, रंगा रेड्डी और सूयार्पेट जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

उन्होंने कहा कि सरकार मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान करेगी।

राजस्व मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अत्यधिक तापमान वाले गांवों की पहचान करें और मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से उन गांवों में गर्मी के बारे में चेतावनी जारी करें।

उन्होंने कहा कि बस स्टेशन, बाजारों, प्रमुख सड़कों और उन स्थानों पर जहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम करते हैं, पीने का पानी और ओआरएस के पैकेट उपलब्ध कराए जाएं।

मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और अस्वस्थ लोगों से पूर्वाह्न 11 बजे से शाम चार बजे के बीच घर से बाहर न निकलने का आग्रह किया।

चीन की कोयला खदान में विस्फोट से अब तक 82 लोगों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
बीजिंग

चीन के शांक्सी प्रांत स्थित लियुशेन्यु कोयला खदान में शुक्रवार रात हुए भीषण विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है, जबकि कई मजदूर अभी भी लापता हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग ने राहत एवं बचाव कार्य में पूरी ताकत झोंकने और घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शनिवार को बताया कि विस्फोट शुक्रवार को शाम 7.29 बजे शांक्सी प्रांत के किनयुआन काउंटी में हुआ। यह इलाका बीजिंग से करीब 520 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। हादसे से पहले खदान में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का अलर्ट जारी किया गया था। इसके कुछ ही समय बाद

भीषण विस्फोट हुआ। विस्फोट के वक्त खदान में 247 मजदूर काम कर रहे थे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग अब भी अंदर फंसे हुए हैं। राहत एवं बचाव अभियान जारी है।

काउंटी के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो के अनुसार, कोयला खदान दुर्घटना में 82 लोगों की मौत हो गई है, जबकि नौ अन्य अभी भी लापता हैं। विस्फोट के वक्त 200 से ज्यादा लोग खदान के अंदर मौजूद थे। कुल 123 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जिनमें से दो की हालत गंभीर है, जबकि 119 अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

ब्यूरो के मुताबिक राहत एवं बचाव दल और चिकित्सा कर्मियों सहित 755 लोगों को घटनास्थल पर भेजा गया है। आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने कहा कि उसने बचाव कार्यों में सहायता के लिए छह राष्ट्रीय खदान आपातकालीन बचाव दल भेजे हैं, जिनमें कुल 345 लोग शामिल हैं।

कालका-शिमला राजमार्ग पर बस पलटी, दो घायल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में सोलन के पास सलोग्रा में कालका-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को एक निजी बस के पलट जाने से चालक समेत दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सोलन से लगभग नौ किलोमीटर दूर उस समय हुई, जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायल चालक व एक यात्री को बाहर निकालकर सोलन के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि बस को राजमार्ग से हटा दिया गया और वहां यातायात बहाल हो गया। सोलन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) तिरुमलाराजू एसडी वर्मा ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जांच जारी है।

भगवंत मान व अरविंद केजरीवाल ने गुरुग्राम जेल में बंद पूर्व मंत्री अरोड़ा से की मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
गुरुग्राम

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शनिवार को भौंडसी स्थित गुरुग्राम जिला में बंद पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से मिलने पहुंचे। इस दौरान जेल की तरफ के रास्तों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध रहे। जेल प्रशासन से पूर्व अनुमति मिलने के बाद दोनों वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री संजीव अरोड़ा से मुलाकात की।

बता दें कि पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को प्रवर्तन निदेशालय ने बीती नौ मई को मनी लॉन्ड्रिंग और 100 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जी जीएसटी घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी ने चंडीगढ़, दिल्ली और गुरुग्राम में उनके पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। चंडीगढ़ के सेक्टर-2 स्थित सरकारी आवास पर लंबी पूछताछ के बाद अरोड़ा को आधिकारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया था। गिरफ्तारी के बाद ईडी ने अरोड़ा को पहले सात दिन के रिमांड पर लिया। 10 मई 2026 को गुरुग्राम की विशेष अदालत में हुई सुनवाई के बाद उन्हें सात दिन की ईडी रिमांड पर भेजा गया था। पूछताछ के दौरान दो दिन का अतिरिक्त रिमांड भी मिला। पूछताछ पूरी होने के बाद अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जिसके बाद से वह भोंडसी जेल में बंद हैं।

विनेश फोगाट एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेंगी: दिल्ली उच्च न्यायालय

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मशहूर पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेल के लिए होने वाले आगामी ट्रायल्स में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है।

अदालत ने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की चयन नीति भेदभावपूर्ण है क्योंकि इसमें मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली विनेश जैसी प्रतिष्ठित खिलाड़ी के नाम पर विचार करने का कोई अधिकार नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने आदेश दिया कि 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की डब्ल्यूएफआई द्वारा वीडियोग्राफी की जाएगी और इसमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद रहेगा।

अदालत ने 22 मई को पारित और शनिवार को अपनी वेबसाइट पर अपलोड किए गए आदेश में कहा, 'अपीलकर्ता को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाती है जो 30.05.2026 और 31.05.2026 को होने वाले हैं।'

अदालत ने कहा, 'यह नीति और सर्कुलर साफ तौर पर भेदभावपूर्ण हैं क्योंकि यह प्रतिवादी नंबर एक (डब्ल्यूएफआई) को अपीलकर्ता जैसी दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर विचार करने का कोई अधिकार नहीं देती है विशेषकर तब जब उसने मातृत्व अवकाश के कारण खेल से कुछ समय के लिए दूरी बनाई हो।'

मुख्यमंत्री ने राजस्व न्यायालयों में लम्बित वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की

राजस्व मामलों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया जाए : योगी

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि राजस्व मामलों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि और राजस्व से जुड़े विवाद आमजन के जीवन, किसान हितों और सामाजिक सौहार्द से सीधे जुड़े होते हैं, इसलिए इन मामलों में अनावश्यक विलम्ब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा के बाद भी लम्बित रहने वाले मामलों में सम्बन्धित अधिकारियों और कार्मिकों की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री शनिवार को यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में राजस्व न्यायालयों में लम्बित वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित सभी मण्डलायुक्तों और जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लम्बित वादों का एक

समय-सीमा तय करके निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रशासन की कार्यशैली ऐसी होनी चाहिए, जिससे जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो तथा लोगों को न्याय के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा से अधिक अवधि से लम्बित वादों का अभियान चलाकर प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि तहसील और जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा हो तथा कमजोर प्रदर्शन करने वाले जनपदों की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि आर0सी0सी0एम0एस0 पोर्टल के माध्यम से धारा-80 के अन्तर्गत लम्बित वादों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। 01 जनवरी, 2026 को कुल 85,158 वाद लम्बित थे, जिनमें से 77,578 का निस्तारण किया गया था। वहीं 22 मई, 2026 तक कुल लम्बित वादों की संख्या घटकर 38,166 रह गई, जिनमें 29,543 वादों का निस्तारण किया गया। तीन माह से अधिक समय से लम्बित मामलों की संख्या में भी लगातार कमी आई है। धारा-80 के मामलों में जनपद बस्ती, चित्रकूट, अयोध्या, बागपत और कन्नौज ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि जनपद मेरठ, वाराणसी, अमेठी, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर पाया गया।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि धारा-34 के अन्तर्गत लम्बित वादों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है।

ऐसे ही बढ़ते रहे दाम तो पेट्रोल 150 रुपये लीटर तक पहुंच जाएगा : मंत्री जगत नेगी

हिमाचल में पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के राजस्व, बागवानी और जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने देश में लगातार बढ़ रही ईंधन की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। शिमला में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि ईंधन की कीमतों में वृद्धि का यही दौर जारी रहा, तो देश में पेट्रोल की कीमत जल्द ही 150 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को भी पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि आज पेट्रोल और डीजल की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर के पार जा चुकी हैं, जिससे मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह चरमरा गया है।

कहा, मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह चरमराया

मंत्री नेगी ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि घरेलू बाजार में महंगाई को नियंत्रित करने में केंद्र पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव का बहाना बनाकर देश की जनता पर लगातार टैक्स और सेस (उपकर) का बोझ लादा जा रहा है। उनके अनुसार, यह स्थिति किसी प्राकृतिक संकट की वजह से नहीं, बल्कि केंद्र सरकार के गलत फैसलों और आर्थिक कुप्रबंधन का नतीजा है। जगत सिंह नेगी ने केंद्र सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमतों को अक्सर अंतरराष्ट्रीय विवादों और खाड़ी देशों के तनाव से जोड़कर दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता कुछ और है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की आर्थिक और रणनीतिक नीतियां पूरी तरह असफल साबित हुई हैं। नेगी ने दावा किया कि पूर्व में ईरान भारत को बेहद रियायती दरों पर कच्चा तेल उपलब्ध कराता था। लेकिन केंद्र सरकार की वर्तमान कूटनीति और वैश्विक शक्तियों के प्रति झुकाव के कारण भारत ने सस्ते तेल का वह जरिया खो दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के पास रूस जैसे देशों से अधिक मात्रा में सस्ता कच्चा तेल खरीदने के विकल्प मौजूद होने के बावजूद, घरेलू उपभोक्ताओं को इसका वास्तविक लाभ नहीं मिल पा रहा है। कांग्रेस नेता ने एक गंभीर आरोप यह भी लगाया कि एक तरफ देश की आम जनता भारी टैक्स देकर महंगा ईंधन खरीद रही है, वहीं दूसरी तरफ भारत से रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों को पड़ोसी देशों में कम दामों पर निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर होने के बावजूद, तेल कंपनियों को सब्सिडी और वित्तीय सहायता देकर देश की जनता को महंगे पेट्रोल-डीजल की मार से सुरक्षित रखा गया था। लेकिन वर्तमान सरकार ने ऐसी जनहितैषी नीतियों को पूरी तरह बंद कर दिया है। ईंधन की कीमतों के साथ-साथ मंत्री जगत सिंह नेगी ने हिमाचल प्रदेश की स्थानीय राजनीति और हाल ही में संपन्न हुए नगर निकाय चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटे हुए हैं और चुनावों को लेकर बढ़ा-चढ़ाकर दावे कर रहे हैं। नेगी ने स्पष्ट किया कि कई नगर परिषदों और नगर पंचायतों में भाजपा ने आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवार तक नहीं उतारे थे। वहां निर्दलीय और विभिन्न विचारधाराओं के लोग जीतकर आए हैं। अभी स्थानीय निकायों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदों के चुनाव होने बाकी हैं। जब नगर निगमों, जिला परिषदों और पंचायत समितियों का गठन पूरी तरह हो जाएगा, तभी राज्य की वास्तविक राजनीतिक तस्वीर सामने आएगी। ऐसे में भाजपा का समय से पहले जीत का ढिंढोरा पीटना केवल जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश है।

चुनाव आचार संहिता का खुलेआम हो रहा उल्लंघन, जनता से वसूली की नीति चला रही है सरकार: जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि नगर पंचायत और नगर परिषद चुनाव परिणाम में कांग्रेस की हार की बौखलाहट प्रदेश सरकार की मंत्रिमंडल बैठक में देखने को मिली है। मंडी में पत्रकारों से बात करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार झूठ, छल और जनता से वसूली की राजनीति कर रही है। चुनावों के समय बड़ी-बड़ी गारंटियां देने वाली कांग्रेस अब जनता से किए गए वादों से पीछे हट चुकी है।

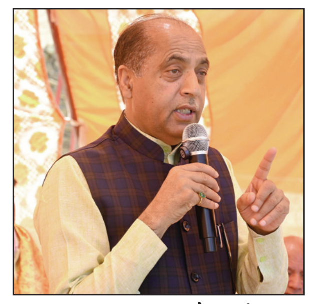

उन्होंने कहा कि बिजली पर वादाखिलाफी और जनता पर आर्थिक हमला है, कांग्रेस ने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की गारंटी दी थी। लेकिन सत्ता में आते ही भाजपा सरकार के समय प्रदेशवासियों को दी जा रही 125 यूनिट मुफ्त बिजली सुविधा भी समाप्त कर दी। जिन परिवारों के बिजली बिल पहले शून्य आते थे, अब उन्हें कम से कम 750 रुपए तक का बिल भरना पड़ रहा है। सरकार ने पहले स्लैब आधारित सब्सिडी खत्म कर बिजली बिलों में भारी बढ़ोतरी की और अब घर से बाहर रहकर पढ़ाई तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों से भी महंगी बिजली वसूली जा रही है। इसके साथ ही होटल, निजी अस्पताल, पेट्रोल पंप, शॉपिंग मॉल और मल्टीप्लेक्स सहित कई श्रेणियों पर अतिरिक्त बिजली सेस लगाया जा रहा है। पहले दूध सेस और पर्यावरण सेस लगाया गया और अब लगातार नए कर लगाकर जनता की जेब पर बोझ बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों के कार्यकाल बढ़ाने के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार अपनी वित्तीय देनदारियों को आगे खिसकाने का प्रयास कर रही है। सरकार रिटायर कर्मचारियों के जीपीएफ और अन्य भुगतान तक समय पर नहीं कर पा रही है। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री पर आचार संहिता उल्लंघन के आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस इस मामले की मास्टरमाइंड रही है। विधानसभा चुनावों से पहले महिलाओं और युवाओं से विभिन्न योजनाओं के नाम पर फॉर्म भरवाए गए, लेकिन बाद में वे फॉर्म कार्यालयों में धूल खाते रहे। लोकसभा चुनावों के दौरान भी सम्मान निधि के नाम पर चुनावी लाभ लेने का प्रयास किया गया। लेकिन प्रदेश की अधिकांश महिलाओं को उसका लाभ नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि मंडी नगर निगम चुनावों के दौरान भी मुख्यमंत्री लगातार घोषणाएं कर रहे हैं और जनता को प्रलोभन देने का प्रयास किया जा रहा है। कैबिनेट बैठकों और मीडिया के माध्यम से बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर चुनावी माहौल प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सामाजिक सुरक्षा और समाज कल्याण योजनाओं के बजट में भारी कटौती की गई है। केंद्र से मिलने वाले फंड का भी सही उपयोग नहीं हो रहा और प्रदेश पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश की जनता अब सरकार की कथनी और करनी का अंतर समझ चुकी है और समय आने पर लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं विधायक अनिल शर्मा, प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य, भाजपा जिला अध्यक्ष निहालचंद शर्मा, मीडिया प्रभारी राकेश वालिया, जिला महामंत्री मांचली ठाकुर, वीरेंद्र भट्ट एवं चमन कपूर उपस्थित रहे।

मतदान समाप्ति की अवधि के 48 घंटे पूर्व से चुनाव प्रचार पर रहेगा प्रतिबंधः अपूर्व देवगन

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मतदान केंद्र के समीप शस्त्र ले जाने पर रहेगी रोक, जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी किए आदेश

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त अपूर्व देवगन ने पंचायतीराज संस्थाओं के मतदान के समापन के लिए निर्धारित समय से पहले के 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध के आदेश जारी किए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार जिला में तीन चरणों में 26 मई, 28 मई एवं 30 मई को प्रातः सात बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक मतदान होगा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अपूर्व देवगन ने बताया कि पहले चरण की ग्राम पंचायतों में 24 मई को दोपहर बाद 3 बजे चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा। दूसरे चरण की ग्राम पंचायतों में 26 मई को दोपहर बाद तीन बजे और तीसरे चरण की पंचायतों में 28 मई को दोपहर बाद तीन बजे चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा। यदि कोई व्यक्ति इसका उल्लंघन करता है, तो उसे दो वर्ष तक के कारावास, या जुमार्ने, या दोनों से दंडित किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति इस धारा के अंतर्गत किसी अपराध का दोषी पाया जाता है, तो संबंधित अधिनियम में परिभाषित शस्त्र जो उसके कब्जे में पाए जाते हैं, उन्हें जब्त किया जा सकता है और ऐसे शस्त्रों के संबंध में जारी किया गया लाइसेंस भी निरस्त माना जाएगा।

डीसी ने श्री अमरनाथ यात्रा-2026 की तैयारियों की समीक्षा की, समयबद्ध कार्यों पर जोर

कठुआ। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को लखनपुर कॉरिडोर का दौरा कर आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने डीडीसी काउंसिल भवन लखनपुर में बैठक की अध्यक्षता कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने लखनपुर कॉरिडोर में चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, मरम्मत, सौंदर्यीकरण और यात्रियों के लिए बनाई जा रही सुविधाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने पंजीकरण केंद्र, स्वच्छता इकाइयों, विश्राम स्थल, पेयजल और साइनज सहित सभी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं यात्री-अनुकूल बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि लखनपुर में 6 ई-केवाईसी और 12 आरएुआईडी काउंटर स्थापित किए जाएंगे जिससे यात्रियों का पंजीकरण और आवागमन सुगम होगा। उपायुक्त ने 36 लॉजमेंट सेंटरों की नियमित निगरानी और सभी कमियों को समय रहते दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को पर्याप्त स्टाफ तैनात कर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ गुणवत्ता युक्त और टिकाऊ सुविधाएं समय पर तैयार करने पर जोर दिया।

जम्मू में गुर्जर-बकरवाल घरों के विध्वंस पर उच्चस्तरीय जांच के आदेश

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के जम्मू के रायका, सिदरा में गुर्जर-बकरवाल परिवारों के घरों को गिराए जाने के बाद एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में उमर अब्दुल्ला सरकार ने शुक्रवार देर शाम इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। वन एवं अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग के बढ़ते आरोपों और बढ़ते आक्रोश के बीच यह कदम उठाया गया है।

सरकार ने वरिष्ठ के.ए.एस. अधिकारी राजिंदर सिंह तारा की अध्यक्षता में एक व्यापक जांच समिति का गठन किया है जिसमें सहायक राजस्व आयुक्त (ए.सी.आर.) जम्मू और संभागीय वन अधिकारी (डी.एफ.ओ.) जम्मू सदस्य हैं। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक वन विभाग में कई अधिकारियों पर कार्रवाई हो सकती है क्योंकि सरकार ने विध्वंस के मामले में कड़ा रुख अपनाया है खासकर तब जब यह खुलासा हुआ कि प्रभावित परिवारों में से कई ग्रामीण कश्मीर और पीर पंजाल से आए प्रवासी गुर्जर थे जो वर्षों से उग्रवाद और हिंसा से भागकर जम्मू में अपना जीवन फिर से संवारने के लिए संघर्ष कर रहे थे। जनजातीय मामलों के विभाग ने भी हस्तक्षेप करते हुए वरिष्ठ केएएस अधिकारी मुमताज अली की अध्यक्षता में एक अलग तथ्य-जांच समिति का गठन किया है जो वन अधिकार अधिनियम 2006 और अनुसूचित जनजातियों को गारंटीकृत संवैधानिक सुरक्षा उपायों के संभावित उल्लंघनों की जांच करेगी। विध्वंस से गुर्जर-बकरवाल समुदाय में गहरा सदमा फैल गया है और जनजातीय संगठनों ने इस कार्रवाई को जम्मू में अतिक्रमण विरोधी और मादक द्रव्य विरोधी अभियानों की आड़ में किया गया ₹लक्षित उत्पीड़न₹ करार दिया है। समुदाय के नेताओं का आरोप है कि एक दशक से अधिक समय से जम्मू में गुर्जरों को प्रशासन के कुछ गुटों और चरमपंथी तत्वों द्वारा व्यवस्थित उत्पीड़न, सामाजिक भेदभाव और चुनिंदा निशाना बनाए जाने का सामना करना पड़ रहा है।

मुफ्त बिजली के वादे से महंगे बिलों तक कांग्रेस ने जनता पर डाला बोझः भाजपा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में बिजली दरों और सब्सिडी को लेकर विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है। भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी वादों से पीछे हट गई है और अब प्रदेश की जनता को महंगे बिजली बिलों का सामना करना पड़ रहा है।

कर्ण नंदा ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था, लेकिन सरकार बनने के बाद यह वादा पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली दे रही थी, जबकि अब लोगों को हर महीने भारी बिजली बिल भरने पड़ रहे हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लगातार बिजली दरों में बढ़ोतरी कर रही है। उनके मुताबिक सितंबर 2023 में बड़े उद्योगों पर बिजली ड्यूटी 11 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत की गई और जनवरी 2024 में इसे बढ़ाकर 37.5 प्रतिशत कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में व्यवसायिक उपभोक्ताओं पर एक रुपये प्रति यूनिट अतिरिक्त बिजली सेस भी लगाया गया है। इसका असर होटल, मॉल, निजी अस्पताल, पेट्रोल पंप और कोचिंग सेंटर जैसे संस्थानों पर पड़ा है। कर्ण नंदा ने कहा कि पहले 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलती थी, लेकिन अब उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 5.44 रुपये तक भुगतान करना पड़ रहा है। वहीं 126 से 300 यूनिट तक बिजली की दर 5.89 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। उनका कहना है कि इससे आम लोगों के बिजली बिल हजारों रुपये तक पहुंच रहे हैं और न्यूनतम बिल भी करीब 750 रुपये तक हो गया है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा असर किराए के मकानों में रहने वाले लोगों, विद्यार्थियों, मजदूरों, नौकरीपेशा और आउटसोर्स कर्मचारियों पर पड़ा है। भाजपा का आरोप है कि सरकार ने दो मीटर से अधिक वाले घरों की बिजली सब्सिडी बंद कर दी है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि पीजी और किराए के कमरों में रहने वाले विद्यार्थियों और कर्मचारियों को भी अब बिना सब्सिडी के बिजली बिल भरने पड़ रहे हैं।

सरकार, जम्मू और कश्मीर में फसल बीमा योजना लागू कर सकती हैः मंत्री जावेद डार

सोपोर। मंत्री जावेद अहमद डार ने शनिवार को कहा कि सरकार अगले दो महीनों के भीतर जम्मू और कश्मीर में फसल बीमा योजना लागू कर सकती है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि हाल ही में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को नुकसान का आकलन पूरा होने के बाद राहत दी जाएगी। कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में बार-बार हुई ओलावृष्टि से फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचने के बीच पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने किसानों और उत्पादकों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों का दौरा शुरू कर दिया है। डार ने कहा कि विभाग कल से ही प्रत्येक प्रभावित क्षेत्र तक पहुंचने और आकलन करने का प्रयास कर रहा है। अंतिम आकलन पूरा होने के बाद प्रभावित किसानों को राहत प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में तेजी ला रही है। मंत्री के अनुसार योजना के लिए निविदा प्रक्रिया 1 जून से शुरू होने वाली है और पूरी प्रक्रिया डेढ़ से दो महीने के भीतर पूरी होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने योजना के लिए पहले ही बजट में प्रावधान कर दिए हैं जिसके तहत प्रीमियम राशि भारत सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और किसानों द्वारा साझा की जाएगी।

युवा रोजगार सृजन में मोदी सरकार ने 12 साल में रचा नया इतिहास : अनुराग सिंह

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 19वें रोजगार मेले के सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि मोदी सरकार ने देश के युवाओं को रोजगार देने की दिशा में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्य किया है।

देशभर के 47 स्थानों पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस रोजगार मेले में विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इनमें रेलवे, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, वित्तीय सेवाएं तथा उच्च शिक्षा विभाग सहित कई महत्वपूर्ण विभाग शामिल रहे। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार केवल वादे नहीं करती, बल्कि परिणाम देकर दिखाती है। रोजगार मेले की शुरूआत से अब तक आयोजित 18 संस्करणों के माध्यम से लगभग 12 लाख नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे बड़े और निरंतर चलने वाले रोजगार अभियानों में से एक है।

उन्होंने कहा कि 24 जनवरी 2026 को आयोजित 18वें रोजगार मेले में भी 45 स्थानों पर 61 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए थे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रोजगार सृजन सरकार की प्राथमिकता और सुशासन का केंद्र बिंदु बन चुका है।

संक्षिप्त-समाचार

शिमला में बच्चों में बढ़ रहे हेपेटाइटिस के मामले, 11 बच्चे अस्पताल में भर्ती

शिमला। राजधानी शिमला में बच्चों में वायरल हेपेटाइटिस के मामले बढ़ने लगे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक मई महीने में दीन दयाल उपाध्याय जोनल अस्पताल में अब तक 11 बच्चों को हेपेटाइटिस जैसे लक्षणों के कारण भर्ती किया गया है। इनमें से 7 बच्चों में हेपेटाइटिस-ए की पुष्टि हुई है। कुछ अन्य बच्चों का इलाज ओपीडी में भी किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. यशपाल रांटा ने बताया कि पिछले एक महीने से धीरे-धीरे मामले सामने आ रहे हैं। लगभग हर दिन या एक दिन छोड़कर एक नया मामला सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी एक इलाके से ज्यादा मामले नहीं मिले हैं और प्रभावित बच्चे अलग-अलग क्षेत्रों से हैं। स्वास्थ्य विभाग ने एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाकों में टीमें भेजी हैं। विभाग पीने के पानी और सफाई व्यवस्था की जांच कर रहा है और लोगों को बीमारी से बचाव के बारे में जागरूक किया जा रहा है। डॉ. रांटा ने बताया कि हेपेटाइटिस-ए और ई गंदे पानी, दूषित भोजन और खराब साफ-सफाई के कारण फैलते हैं। उन्होंने लोगों से साफ और उबला पानी पीने, हाथ साफ रखने और खुले में बिकने वाले कटे फल या अस्वच्छ भोजन से बचने की अपील की है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से कहा है कि अगर बुखार, उल्टी, पेट दर्द, पीलिया या पेशाब का रंग गहरा होने जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

ढांक से गिरने से संगड़ाह में व्यक्ति की मौत

नाहन। उपमंडल नौहराधार तहसील की ग्राम पंचायत देवना के अंतर्गत आने वाले पलगेच गांव में बीते कल एक दर्दनाक हादसा पेश आया। गांव निवासी 52 वर्षीय जसवंत सिंह की पहाड़ी ढांग से गिरने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जसवंत सिंह किसी काम से घर से निकले थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक उनका पैर फिसल गया और वह अनियंत्रित होकर गहरी ढांग में जा गिरे। परिजन तुरंत उन्हें सीएचसी नौहराधार ले गए। लेकिन उक्त व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस चौकी नौहराधार की पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल राजगढ़ भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। तहसीलदार नौहराधार विनोद कुमार ने बताया कि प्रशासन की ओर से मृतक जसवंत सिंह के परिजनों को फौरी राहत के तौर पर 25,000 रुपये की राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार आगे की आर्थिक सहायता भी दिलाई जाएगी।

कठुआ में नशा मुक्त अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला

कठुआ। जिले में चल रहे 100 दिवसीय नशा मुक्त अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर जागरूकता एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशा मुक्त समाज का संदेश दिया गया। सरकारी स्कूल थैं मानू, एएएम चंदवान, आंगनवाड़ी केंद्र कांथ बिलावर, बोबिया हीरानगर, दुग्गन तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भड्डू में व्याख्यान, संवाद सत्र और शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रमों में वक्ताओं ने नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हुए युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के अन्य वर्गों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त शपथ लेकर नशा रहित समाज बनाने में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रमों में छात्रों, आम नागरिकों और आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सांबा पुलिस ने बारी ब्राह्मणा में हुई हत्या का मामला 48 घंटे के भीतर सुलझाया, आरोपी गिरफ्तार

सांबा। गहन जांच और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से मिली एक महत्वपूर्ण सफलता में सांबा पुलिस ने बारी ब्राह्मणा क्षेत्र में एक महिला की हत्या का मामला 48 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद कर लिया गया है। 18.05.2026 कोबारी ब्राह्मणा पुलिस स्टेशन को विश्वसनीय सूचना मिली कि अनुराधा पत्नी अजय कुमार, निवासी वार्ड नंबर 7, चन्नी करथोली, तहसील बारी ब्राह्मणा की हत्या कर दी गई है, जिसका शव उसके घर के अंदर पड़ा मिला था। तुरंत कार्रवाई करते हुए बारी ब्राह्मणा पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 128/2026 धारा 103 बीएनएस के तहत दर्ज की गई और तुरंत जांच शुरू की गई। जांच के दौरान व्यापक पूछताछ, तकनीकी विश्लेषण, साक्ष्य संग्रह, गवाहों से पूछताछ और कई सुरागों का सत्यापन किया गया। प्राप्त जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस दल ने ग्राम भगवान चक, तहसील खौर, जिला जम्मू में छापा मारा और एक संदिग्ध छैल सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी ग्राम भगवान चक, तहसील खौर, जिला जम्मू को गहन पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ और जांच के दौरान आरोपी की संलिप्तता पाई गई। तकनीकी साक्ष्यों से यह सिद्ध हुआ कि आरोपी मृतक के साथ फोन कॉल के माध्यम से लगातार संपर्क में था। जांच में आगे पता चला कि मृतक आरोपी की रिश्तेदार थी और दोनों कथित तौर पर अवैध संबंध में थे जिसके कारण पिछले कई दिनों से उनके बीच विवाद चल रहे थे। जांच में यह सामने आया कि घटना वाले दिन आरोपी मृतक के घर गया था और कहासुनी के दौरान उसने जानबूझकर उसकी हत्या कर दी। तदनुसार आरोपी छैल सिंह को 20 मई 2026 को कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। जांच में आगे पता चला कि वह सेना का सेवानिवृत्त जवान है और वर्तमान में रिलायंस सिक्योरिटी सर्विसेज मुंबई में कार्यरत है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

शिमला फुटबॉल प्रीमियर लीग 24 से युवाओं को खेलों से जोड़ने का अभियान

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला शहर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के उद्देश्य से शिमला फुटबॉल प्रीमियर लीग 2026 का आयोजन 24 से 27 मई तक समर हिल ग्राउंड में किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन समर हिल फुटबॉल क्लब और श्यामला एजुकेशनल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ नीतिन व्यास ने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करते हैं तथा उन्हें नशे और अन्य सामाजिक कुरीतियों से दूर रखते हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में शिमला की 14 टीमें भाग लेंगी, जिनमें समरहिल यूनाइटेड एफसी, संजौली एफसी, शिमला एफसी अंडर-19, शिमला एफसी अंडर-17, खलीनी एफसी, भट्टाकुफर एफसी, एचपीयू और अन्य टीमें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लड़कियों की दो टीमें भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी, जिसे महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने की दिशा में सकारात्मक पहल माना जा रहा है। डॉ. व्यास ने कहा कि शिमला में फुटबॉल के प्रति युवाओं में काफी उत्साह है, लेकिन प्रतिभाओं को उचित मंच और सुविधाओं की आवश्यकता है। इस लीग के माध्यम से स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

मौसम 26-27 मई को लू का अलर्ट जारी

हिमाचल में भीषण गर्मी से राहत के बाद फिर बढ़ेगा पारा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मई की भीषण गर्मी के बीच मौसम ने हल्की राहत दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में बारिश, तेज हवाएं और बादल छाए रहने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार अधिकतर स्थानों के अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चले गए हैं। हालांकि यह राहत ज्यादा दिनों तक नहीं रहने वाली। विभाग ने 26 और 27 मई को प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू चलने की चेतावनी जारी की है, जबकि 28 मई से एक बार फिर मौसम बदलने और कई जगह बादल बरसने की संभावना जताई गई है। शनिवार सुबह राजधानी शिमला में बादलों के बीच हल्की धूप देखने को मिली। निचले इलाकों में कहीं तेज धूप तो कहीं बादल छाए हैं। पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी के बाद लोगों ने मौसम में आई नरमी से कुछ राहत महसूस की। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। निचार में 17 मिमी, सराहन में 15.5 मिमी, कल्पा में 13.4 मिमी, मनाली और कुकुमसेरी में 10-10 मिमी, भुंतर में 9.8 मिमी और सियोबाग में 8 मिमी बारिश दर्ज की गई। कुछ जगहों पर गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं भी चलीं। हमीरपुर के नेरी में 65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं रिकॉर्ड की गईं। कोकसर में ओलावृष्टि भी हुई। तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की गई है। शिमला का न्यूनतम तापमान आज सुबह 19 डिग्री, सुंदरनगर 17.1, भुंतर 13.5, कल्पा 6.4, धर्मशाला 18.8, ऊना 20.5, नाहन 20.9, केलांग 6 डिग्री, पालमपुर 18.5, सोलन 16.6, मनाली 10.2, कांगड़ा 19.7, मंडी 18.7, बिलासपुर 22.5, डलहौजी 11.2, जुब्बड़हट्टी 20, कुफरी 15.8, बरठीं 17.5, पांवटा साहिब 26, सराहन 13.2, देहरा गोपीपुर 22 और तबो का न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 23, 24 और 25 मई को प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। आज कुछ इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली चमकने की संभावना है। 26 और 27 मई को मौसम शुष्क रहने का अनुमान है और इसी दौरान मैदानी व निचले इलाकों में लू चल सकती है। 28 मई को फिर मौसम करवट ले सकता है। विभाग ने उस दिन कई जगह गरज, बिजली और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। 29 मई को भी कुछ इलाकों में तेज हवाओं, गरज और ओलावृष्टि का ओरेंज अलर्ट रहेगा।

हर खेत तक पानी पहुंचाने के लिए किसानों के समूह के जरिये टैंक बनवाकर माइक्रो इरिगेशन लागू करें: नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा की

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार हर खेत तक सिंचाई का पर्याप्त पानी पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है। इसके लिए सिंचाई विभाग किसानों के ग्रुप बनाकर प्रत्येक 10 एकड़ या इससे अधिक भूमि के लिए सामूहिक टैंक बनवाए। इन टैंकों को नहरी पानी से भरा जाएगा। इन टैंकों से जुड़े खेतों की माइक्रो इरिगेशन से सिंचाई की जाए। सामूहिक टैंक बनाने पर सरकार द्वारा 85 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

यह बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग पुरातन प्रणाली से आगे बढ़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पर ड्रोप-मोर क्रोप' की अवधारणा को ध्यान में रखकर विकसित भारत-2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सीमित जल संसाधनों वाले विकसित देशों की तर्ज पर भविष्य की योजनाएं बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संसाधन सीमित होने के बावजूद इनका बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। विभाग की योजनाएं धरातल पर भी दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि खेतों में खुले पानी के प्रयोग को नियंत्रित करने के लिए किसानों को जागरूक किया जाए। सिंचाई पर किसान द्वारा किए जाने वाले खर्च को न्यूनतम किया जाएगा। सरकार की जो योजना है उसके बाद किसान को सिंचाई के लिए ट्यूबवेल लगाने की भी जरूरत नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शुरूआत में 9 जिलों, भिवानी, चरखी दादरी, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़, नूंह, रेवाड़ी, हिसार, झज्जर व सिरसा में किसानों के ग्रुप बनाकर कम से कम 10 एकड़ या इससे अधिक भूमि के लिए सामूहिक टैंक का निर्माण करवाएं जिन पर सरकार किसानों को 85 प्रतिशत सब्सिडी देगी। इन टैंकों में नहरों से पाइपों के माध्यम से पानी आपूर्ति की जाए और टैंकों पर सोलर पैनल लगाकर इससे जुड़े सभी खेतों में टपका सिंचाई अथवा फव्वारा सिंचाई की प्रणाली लगवाई जाए। इससे किसान जब चाहे अपनी फसलों की सिंचाई कर सकते हैं। किसानों को न तो ट्यूबवेल लगाने की जरूरत होगी और न ही बिजली-पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा। खेत में खुला पानी छोड़कर की जाने वाली सिंचाई बंद होगी तो कम पानी में अधिक खेतों को सिंचित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष से गन्ना व कपास की फसलों में माइक्रो इरिगेशन के प्रयोग शुरू करवाए जाएं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिंचाई विभाग लक्षित 9 जिलों में इस साल के अंत तक पूरे के पूरे गांव की कृषि भूमि को माइक्रो इरिगेशन पर स्थानांतरित करने के लिए टेंडर भी कर सकता है जिसमें एग्री डिस्कॉम जैसी आधुनिक तकनीक वाली कंपनियों की मदद ली जा सकती है। इससे किसानों को स्मार्ट तरीके से बिना खर्च सिंचाई का पानी उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार को इजराइल जैसे विकसित देशों में लागू की गई तकनीकों का अध्ययन कर सिंचाई के आधुनिकीकरण में विभाग की मदद करने को भी कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी की बर्बादी को रोकने के लिए प्रदेश की सभी नहरों की वर्तमान स्थिति के अनुसार उनकी मरम्मत व पुनर्निर्माण आदि की योजना तैयार की जाए और इनके कार्यों की समय-सीमा निर्धारित करके इसकी जानकारी उन्हें प्रदान करें।

सैनी ने संत कबीर कुटीर में किया पौधारोपण

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को संत कबीर कुटीर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। पृथ्वी को हरा-भरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण अभियान से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं और यह न केवल शुद्ध वातावरण प्रदान करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य भी प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित करें। प्रकृति के संरक्षण में जनभागीदारी जरूरी है।

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए 31 जुलाई, 2026 तक करें आवेदन

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

गणतंत्र दिवस पर की जाएगी पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मकी घोषणा

हरियाणा सरकार द्वारा पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म सहित प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों की सिफारिशों के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शुमार इन पुरस्कारों की घोषणा 26 जनवरी, 2027 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाएगी। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि इन पद्म पुरस्कारों के लिए सिफारिशें political 2.hry@gmail.com या hrathee.cso@hry.gov.in पर 10 जून, 2026 तक भेजी जा सकती हैं। केन्द्र सरकार द्वारा केवल ऑनलाइन पोर्टल https://awa उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कारों, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार माना जाता है। वर्ष 1954 में शुरू हुए इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य 'विशिष्ट कार्य' को सम्मानित करना है। ये सम्मान कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण और विशिष्ट उपलब्धियों अथवा सेवाओं के लिए दिए जाते हैं। ये पुरस्कार जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के आधार पर बिना किसी भेदभाव के, सभी व्यक्तियों के लिए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि पद्म पुरस्कारों के लिए सभी नामांकन/सिफारिशें केवल ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awsrds.gov.in के जरिए ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन या सिफारिशों में इस पोर्टल पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से भरते हुए उस व्यक्ति की अपने क्षेत्र में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों या सेवाओं का पूरा विवरण दिया जाना आवश्यक है।

जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी: बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक में 12 मामलों की हुई सुनवाई

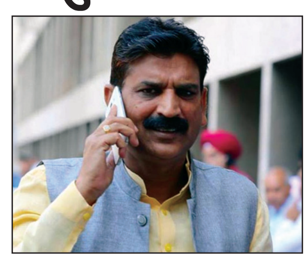

हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समय पर समाधान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अधिकारी नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ उनका समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को फतेहाबाद में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से मामलों की प्रगति रिपोर्ट ली तथा लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने स्पष्ट कहा कि जन परिवाद समिति में शिकायत दर्ज करवाने वाले व्यक्तियों की बैठक में उपस्थिति जरूरी है। शिकायतकर्ता स्वयं उपस्थित होकर यह बताए कि वह विभागीय कार्रवाई से संतुष्ट है या नहीं। इससे मामलों के निष्पक्ष एवं पारदर्शी निस्तारण में सहायता मिलेगी।

एक मामले की सुनवाई करते हुए कृष्ण कुमार बेदी ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए जिला में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रखी जाए और किसी भी गांव या क्षेत्र में पानी की समस्या उत्पन्न न होने दी जाए। एक अन्य परिवाद गांव पीलीमंदौरी के निवासियों द्वारा पेयजल समस्या उठाए जाने पर मंत्री ने अधिकारियों को गांव में नियमित एवं पर्याप्त स्वच्छ पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 6.72 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत हो चुकी है तथा टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। रतिया क्षेत्र में अवैध कॉलोनी में नियमों के विरुद्ध सडक निर्माण की शिकायत पर डीएमसी को मौके का निरीक्षण करने और निर्माण कार्य की विस्तृत रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। गांव गाजूवाला निवासी बबीता द्वारा दी गई शिकायत पर सुनवाई करते हुए मंत्री ने पुलिस विभाग को दोनों पक्षों की शिकायतों की निष्पक्ष एवं गहन जांच करने के निर्देश दिए।

डीडीएमसी के तहत जिला में मौजूदा वित्त वर्ष में होंगे 13.29 करोड़ रुपये के विकास कार्य

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला विकास योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास परियोजनाएं समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरी हो सकें। कृष्ण कुमार बेदी ने शनिवार को फतेहाबाद में आयोजित जिला विकास एवं निगरानी समिति (डीडीएमसी) की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष डीडीएमसी के तहत विभिन्न विकास कार्यों पर 13.29 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें सामान्य वर्ग के विकास कार्यों के लिए 7 करोड़ 40 लाख 89 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति वर्ग के विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ 88 लाख 52 हजार रुपये की राशि निर्धारित की गई है। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्वीकृत विकास कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं ताकि किसी प्रकार की ग्रांट लैप्स न हो।

चिकित्सा केवल पेशा नहीं, मानवता की सेवा का पवित्र दायित्व : राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल एवं पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने युवा चिकित्सकों से करुणा, नैतिकता और सेवा-भाव को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने का आ'ान करते हुए कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च दायित्व है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर समाज में आशा, विश्वास और जीवन के प्रतीक होते हैं, इसलिए उन्हें संवेदनशीलता, विनम्रता और समर्पण भाव के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

राज्यपाल आज रोहतक में आयोजित पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं। दीक्षांत समारोह में कुल 950 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की उपाधियां प्रदान की गई, जबकि 68 मेधावी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने स्मारिका का विमोचन भी किया। नवस्नातक विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों को बधाई देते हुए प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक यात्रा की पूर्णता नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, सेवा और समर्पण से परिपूर्ण जीवन की नई शुरूआत है। राज्यपाल ने हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी पंडित भगवत दयाल शर्मा को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनके आदर्शों से प्रेरित यह विश्वविद्यालय सेवा परमो धर्मः की भावना को सार्थक रूप से आगे बढ़ा रहा है। राज्यपाल ने शिक्षा, अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवाओं और जनकल्याण के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान ने चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं फामेर्सी शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है।

जीएमएस फोक्सा को मिला हाईटेक पोडियम

सिटी दर्पण संवाददाता

बराड़ा

शिक्षा एवं सामाजिक सहयोग की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय फोक्सा को एक आधुनिक हाईटेक पोडियम भेंट किया। इस विशेष सहयोग से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय में शनिवार को आयोजित 'अध्यापक-अभिभावक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान यह हाईटेक पोडियम विद्यालय प्रशासन को सौंपा गया। यह पोडियम भविष्य में सरकार एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के संचालन को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विद्यालय के हेडमास्टर संजीव कुमार ने इस सहयोग के लिए पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार का तहदिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के जागरूक एवं शिक्षाप्रेमी लोगों के सहयोग से विद्यालयों को नई ऊर्जा मिलती है तथा विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध होता है। संजीव कुमार ने कहा कि हाईटेक पोडियम मिलने से विद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों के संचालन में सुविधा होगी तथा मंच संचालन और प्रस्तुतियां अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित ढंग से आयोजित की जा सकेंगी।

इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के सदस्यों ने भी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए उनके इस योगदान की सराहना की। विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इसी प्रकार समाज का सहयोग विद्यालय को मिलता रहेगा।

इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार, हेडमास्टर संजीव कुमार, अवतार सिंह, राजिंदर कुमार, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, अशोक कुमार व स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक | ऊर्जा मंत्री ने शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और दिए दिशा-निर्देश

आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन जल्द होगा: विज

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

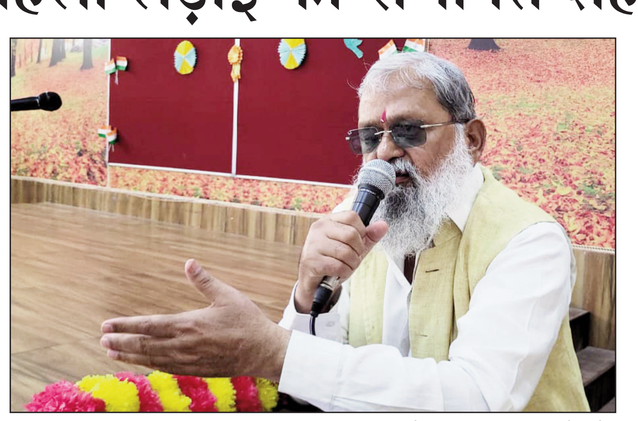

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन जल्द होगा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी भी इस स्मारक का अवलोकन कर चुके है, इसी के दृष्टिगत जो शेष कार्य बचे हुए है संबधित विभाग व एजेंसी उसे युद्ध स्तर पर करना सुनिश्चित करें।

ऊर्जा मंत्री आज शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसडीएम अम्बाला छावनी कनिका गोयल व शहीद स्मारक के निदेशक डा. कुलदीप सैनी मौजूद रहे।

अनिल विज ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यहां पर बनाया जा रहा आजादी की पहली लड़ाई का स्मारक राष्ट्रीय स्तर का स्मारक है तथा यहां पर दूर-दराज से पर्यटक आकर इसकी सुंदरता का आभास करेंगे उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस स्मारक का उद्घाटन करेंगे।

ऊर्जा मंत्री ने बैठक के दौरान संबंधित एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेने के उपरांत यहां पर टिकट की बेहतर व्यवस्था बारे, एंट्री एवं एग्जिट गेट के अलावा अनाधिकृत गेट न लगाने बारे, म्यूजियम में लाईटिंग की व्यवस्था बारे, सीढ़ियों के साथ लाइटिंग की व्यवस्था के साथ-साथ रैंप की व्यवस्था बारे, स्मारक परिसर में रेलिंग की व्यवस्था बारे, स्मारक के अंदर गैलरी से शुरू होकर बाहर तक आने वाले रास्ते एवं अन्य बिंदुओं बारे अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की प्रोजेक्ट निदेशक को निर्देश दिए कि शहीद स्मारक के बाहर यानि जीटी रोड पर एक्सीलेटर की व्यवस्था करने तथा जीटी रोड पर फैंसी लाइट तथा पौधारोपण किया जाए।

आजादी की पहली लड़ाई अंबाला छावनी से शुरू हुई थी यानि मेरठ से 10 घंटे पहले क्रांतिकारियों ने इसकी शुरूआत कर दी थी जिसके तथ्य भी है। उन्होंने कहा कि इस सारे विवरण को यहां पर थ्री-डी के माध्यम से दशार्या जाए ताकि यहां पर आने वाले पर्यटकों एवं अन्य को आजादी की पहली लड़ाई एवं उसकी घटनाओं तथा इतिहास के बारे में संपूर्ण जानकारी मिल सके।

जन्म से कोई इंसान नहीं बनता, शिक्षा ही उसे बेहतर इंसान बनाती है: ऊर्जा मंत्री

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि जितने भी सेवा के कार्य है उन सब कार्यों में सबसे श्रेष्ठ शिक्षा देने का काम है। केवल जन्म लेने से कोई इंसान नहीं बन सकता, शिक्षा उसे इंसान बनाती है, शिक्षा कायदे-कानून से उसको अवगत कराती है। विज आज अम्बाला छावनी के बंगाली मोहल्ले में मुसद्दी लाल आर्य कन्या उच्च विद्यालय के वार्षिकोत्सव के दौरान बोल रहे थे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बच्चा कच्ची मिट्टी की तरह है और यह कुम्हार के हाथ में है कि वह उसे ढाल के क्या बनाएगा। इसी प्रकार, शिक्षाविदों के हाथ में है कि बच्चों को कैसी शिक्षा देकर क्या बनाया जाएगा। स्कूल व गुरुकुल में अंतर है। स्कूल में केवल शिक्षा, अक्षर ज्ञान कराया जाता है। मगर, गुरुकुल में शिक्षा के साथ संस्कार भी दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता है। मगर सोने की चिडिया कहलाए जाने वाले हमारे देश में बाहरी आक्रमणकारी समय-समय पर लूटते रहे और अपना प्रभाव डालते रहे। हमारी सभ्यता में हर रिश्ते का नाम था मगर, बाहरी आक्रमणकारियों ने हमारे मूल्यों को भी परिवर्तित किया। उन्होंने पंक्तियां पढ़ते हुए कहा कि 'यू तो रहा है दुश्मन दौरे-ए-जमां हमारा, कुछ तो है हस्ती मिटती नहीं हमारी'। देश में बड़े-बड़े आक्रमणकारी आए, मगर हम फिर से खड़े हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बने - विज ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश काफी आगे की स्थिति में पहुंच गया है। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने तब हमारी अर्थव्यवस्था 14 नंबर पर थी और अब हम तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री ने देश से वादा किया है कि हम 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाएंगे। हमारे जो शिक्षण संस्थान है वह बच्चे को ढालकर बेहतर इंसान बनाते हैं ताकि वह भविष्य की चुनौतियां का सामना कर सके। लड़कियों को शिक्षा देना बहुत बड़ा कार्य है और इस स्कूल में लड़कियों को शिक्षा देकर स्कूल बेहतर कार्य कर रहा है व इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि उनसे पहले मंच से उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों का जिक्र किया जा रहा था। मगर वह कहना चाहते हैं कि वह कुछ नहीं है 'मेरा मुझ में कुछ नहीं जो कुछ है सो तोए, तेरा तुझको सौंपते, क्या लागे है मोए', यह सब आपका ही है, वह तो केवल चौकीदार है।

संक्षिप्त-समाचार

नई सीरीज में वाहन का पुराना नंबर रखने पर नही लगेगी फीस

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने प्रदेश के लाखों वाहन मालिकों को राहत देते हुए कहा है कि पुराने पंजीकरण वाले नंबरों को नई सीरीज में बदलवाने के लिए किसी प्रकार की फीस नहीं लगेगी। वाहन मालिकों के पास भले ही वीआईपी तथा पुरानी सीरीज में अपना पसंदीदा नंबर क्यो न हो। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2019 में जारी की अधिसूचना को भी रद्द कर दिया है। जस्टिस जगमोहन बंसल ने यह फैसला देते हुए हरियाणा सरकार के 8 नवंबर, 2019 के उस ज्ञापन को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर वाहन मालिक नई एचआर सीरीज में अपना पसंदीदा नंबर रखना चाहते हैं तो उन्हें निर्धारित फीस देनी होगी। हरियाणा में पहले कई वाहनों के नंबर एचआर-सीरीज के बजाय दूसरी पुरानी सीरीज में जारी किए गए थे। बाद में सरकार ने नई एचआर सीरीज लागू करते हुए पुराने नंबर बदलने की प्रक्रिया शुरू की। 28 मई 2019 को राज्य सरकार ने स्पष्ट किया था कि पुराने नंबरों को नई सीरीज में बिना किसी शुल्क के बदला जा सकता है। इसके कुछ समय बाद 8 नवंबर 2019 को नई सूचना जारी करते हुए कहा गया कि यदि कोई वाहन मालिक अपना पुराना पसंदीदा या वीआईपी नंबर नई सीरीज में रखना चाहता है तो उसे फीस देनी पड़ेगी। इसी फैसले को कई वाहन मालिकों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार पुराने नंबरों को एचआर सीरीज में बदल सकती है, लेकिन इसके लिए कोई शुल्क नहीं ले सकती। कोर्ट ने साफ किया कि एक बार पहले से आवंटित पसंदीदा नंबर के लिए दोबारा फीस लेना कानूनन सही नहीं है।

रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा 29 को प्रदेशभर में करेगा प्रदर्शन

चंडीगढ़। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा ने विभाग के निजीकरण, कर्मचारियों की भारी कमी और लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति तैयार की है। आल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष मायाराम उनियाल ने आरोप लगाया कि सरकार रोडवेज विभाग को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर कर निजीकरण की ओर कदम बढ़ा रही है। महासचिव बलदेव सिंह मामू माजरा, कोषाध्यक्ष रघुवीर पंजाबी, उप महासचिव जोगिंदर दुल और प्रेस प्रवक्ता रंजीत करोड़ा ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि विभाग में चालक, परिचालक, मैकेनिक, हेल्पर, सफाई कर्मचारी और वॉशिंग कर्मचारियों के हजारों पद खाली पड़े हैं, जिससे परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई डिपो में बसें समय पर मरम्मत न होने के कारण वर्कशॉप में खड़ी रहती हैं और जनता परिवहन सुविधा से वंचित हो रही है। इसके बावजूद सरकार नियमित भर्ती करने के बजाय महंगी दरों पर ठेके की इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल कर रही है, जिससे विभाग को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यूनियन ने आरोप लगाया कि ठेके की इलेक्ट्रिक बसों में बुजुर्गों, विद्यार्थियों और आम जनता को रोडवेज की सरकारी बसों जैसी रियायती व मुफ्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। साथ ही सरकारी परिचालकों को इन बसों पर लगाने से विभाग में परिचालकों की कमी और बढ़ गई है। सांझा मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं का समाधान नहीं किया तो 29 मई को प्रदेश के सभी रोडवेज डिपो में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा 5 जून से 16 जुलाई तक हिसार, अंबाला, गुरुग्राम, रोहतक, करनाल और फरीदाबाद में कमिश्नरों के माध्यम से परिवहन मंत्री को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। यूनियन ने स्पष्ट किया कि यदि इसके बावजूद सरकार ने विभाग और कर्मचारी विरोधी नीतियां वापस नहीं लीं तो 25 जुलाई को परिवहन मंत्री के अंबाला छावनी स्थित आवास का घेराव किया जाएगा।

जहरीला पदार्थ निगलने से स्कूल सफाई कर्मी की मौत

जींद। राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल के स्वीपर ने शनिवार को स्कूल में जहरीला पदार्थ निगल लिया। घटना की सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों ने मृतक को मानसिक रूप से बीमारी के चलते परेशान बताया है। शहर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। चाबरी कालोनी निवासी 50 वर्षीय राजबीर राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल में स्वीपर के पर डयूटीरत था। शनिवार को वह स्कूल में डयूटी पर पहुंचा था। जहां पर उसने कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालात बिगडे पर परिजनों द्वारा उसे नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि राजबीर पिछले कुछ समय से परेशान चल रहा था। जिसके चलते वह काफी परेशानी से गुजर रहा था। शहर थाना पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के नाम पर चल रहे फर्जी सदस्यता लिंक से रहें सावधान : सिद्धांत जैन

हिसार। देश में इस समय सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे व्यंगात्मक डिजिटल आंदोलन 'कॉकरोच जनता पार्टी' की लोकप्रियता का फायदा उठाकर साइबर ठगों ने मासूम लोगों, विशेषकर युवाओं को ठगना शुरू कर दिया है। ऐसे में पुलिस प्रशासन और साइबर सेल द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में आम जनता के लिए एक विशेष सुरक्षा एडवाइजरी (पब्लिक अलर्ट) जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने शनिवार को कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 'कॉकरोच जनता पार्टी की सदस्यता लें' या 'कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें' जैसे भ्रामक संदेश भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई आधिकारिक लिंक नहीं, बल्कि फिशिंग अटैक है। जैसे ही कोई यूजर इस संदिग्ध लिंक पर क्लिक करता है या फॉर्म भरते समय ओटीपी साझा करता है, उसका मोबाइल फोन हैक हो जाता है। ठग इस हैकिंग के जरिए पीड़ितों के बैंक खाते की जानकारी, व्यक्तिगत डेटा और पासवर्ड चुरा रहे हैं, जिससे उनके खातों से पैसे उड़ाए जा रहे हैं या उनके नाम पर फर्जी लोन लिए जा रहे हैं।

संपादकीय

वैश्विक भलाई के लिए भारत-अमेरिका साझेदारी: एक नई दिशा

कूटनीति की दुनिया में हर मुलाकात अपने आप में एक संदेश होती है। शब्दों से परे, इशारों से परे – बैठकों का समय, स्थान और संदर्भ सब कुछ बोलता है। जब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने २३ मई २०२६ को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की, तो यह महज एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी। यह उस ऐतिहासिक साझेदारी को नई ऊर्जा देने का प्रयास था जो दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों – भारत और अमेरिका – के बीच दशकों से पल्लवित होती रही है। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जो शब्द कहे, वे अत्यंत सारगर्भित थे –'भारत और अमेरिका वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।'यह कथन केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं था – इसमें भारत की उस परिपक्व और आत्मविश्वासी विदेश नीति की छाप स्पष्ट दिखती है जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक उत्तरदायित्व को भी स्वीकार करती है। इस बैठक का संदर्भ समझना अत्यंत आवश्यक है। रूबियो की यह भारत यात्रा उनकी विदेश मंत्री के रूप में पहली आधिकारिक भारत यात्रा थी। नई दिल्ली के सेवा तीर्थ में आयोजित यह बैठक लगभग एक घंटे तक चली और इसमें भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति, द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा सहयोग, महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियाँ तथा क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही रूबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण भी दिया – जो इस बात का प्रमाण है कि वाशिंगटन नई दिल्ली के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यह यात्रा ऐसे नाजुक समय में हुई जब दोनों देशों के बीच संबंध कुछ तनावग्रस्त थे। राष्ट्रपति ट्रम्प प्रशासन की आक्रामक टैरिफ नीतियों ने भारतीय निर्यात पर अतिरिक्त शुल्क लगाए थे, जिससे भारतीय नीति-निमार्ताओं और उद्योग जगत में बेचैनी व्याप्त हो गई थी। इन परिस्थितियों ने भारत को अपनी सुस्थापित'बहु-संरेखण'की नीति को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रेरित किया – अर्थात किसी एक महाशक्ति पर अत्यधिक निर्भर न रहते हुए सभी के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना। यही भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता और शक्ति है। भारत न किसी गुट का दास है, न किसी दबाव में झुकने वाला – वह अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए विश्व के साथ संवाद करता है। रूबियो की इस यात्रा को इसीलिए'संबंधों की पुनर्स्थापना'के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। वाशिंगटन भलीभाँति जानता है कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत के बिना कोई भी रणनीतिक संरचना अधूरी है। चीन की बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं, दक्षिण चीन सागर में उसकी आक्रामकता और हिंद महासागर में उसकी बढ़ती उपस्थिति को देखते हुए भारत का रणनीतिक महत्त्व अमेरिका के लिए पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी स्पष्ट किया कि बैठक में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर विशेष चर्चा हुई, जहाँ चीन निरंतर अपना दबदबा बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका भारत को इस क्षेत्र में एक प्रमुख रणनीतिक संतुलनकारी शक्ति के रूप में देखता है – और यह दृष्टिकोण दोनों देशों की साझेदारी की आधारशिला है। इस यात्रा का एक और महत्त्वपूर्ण आयाम है – क्वाड। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का यह चतुर्भुज सुरक्षा संवाद आज की बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में एक अत्यंत प्रासंगिक और प्रभावशाली मंच बन चुका है। रूबियो अगले सप्ताह नई दिल्ली में ही क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने वाले हैं। यह बैठक ऐसे समय में होगी जब वैश्विक व्यवस्था एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक की स्थापना क्वाड का मूल उद्देश्य है और भारत इस उद्देश्य में पूरी प्रतिबद्धता के साथ भागीदार है। व्यापार के मोर्चे पर भी इस यात्रा के दूरगामी निहितार्थ हैं। दोनों देशों के बीच एक व्यापक व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत जारी है। महत्त्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा उत्पादन, अर्धचालक प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता – ये वे क्षेत्र हैं जिनमें दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएँ हैं। भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और अमेरिका उसका सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार। इस आर्थिक अन्योन्याश्रयता को और गहरा करना दोनों देशों के हित में है। यहाँ यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि भारत-अमेरिका संबंध केवल सरकारों तक सीमित नहीं हैं। अमेरिका में बसे लाखों भारतीय-अमेरिकी – जो चिकित्सा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, विज्ञान और व्यवसाय हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ रहे हैं – इस संबंध की वास्तविक नींव हैं। यह लोक-संपर्क, यह सांस्कृतिक और मानवीय जुड़ाव, किसी भी राजनयिक संधि से कहीं अधिक स्थायी और प्रभावशाली है। जब भी दोनों सरकारों के बीच मतभेद उभरे हैं, यह जन-जन का रिश्ता ही वह सेतु रहा है जिसने दोनों देशों को जोड़े रखा। प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री रूबियो की यह मुलाकात इस बात का प्रमाण है कि चाहे कितनी भी चुनौतियाँ आएँ, भारत और अमेरिका के बीच का रिश्ता मूलतः मजबूत और टिकाऊ है। टैरिफ विवाद हों, नीतिगत मतभेद हों या भू-राजनीतिक जटिलताएँ – दोनों देश संवाद के माध्यम से आगे बढ़ते रहते हैं। यही परिपक्व लोकतंत्रों की पहचान है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन – 'भारत और अमेरिका वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे'– केवल एक कूटनीतिक वक्तव्य नहीं है। यह उस दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति है जिसमें भारत अपने को केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। एक ऐसा राष्ट्र जो न केवल अपने १४० करोड़ नागरिकों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि पूरी मानवता के कल्याण में भी अपनी सार्थक भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। और जब इस दृष्टिकोण में दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति अमेरिका भी साझेदार हो, तो निःसंदेह यह साझेदारी वैश्विक शांति और समृद्धि की दिशा में एक निर्णायक कदम बन सकती है।

मानव जीवन बनाम पशु प्रेम: समाधान कब निकलेगा?

डॉ. अनिल कुमार निगम (हि.स)

भारत में आवारा कुत्तों का मुद्दा अब केवल पशु-प्रेम और संवेदनशीलता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे नागरिकों के जीवन, सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की खतरनाक आवारा कुत्तों को मारने की अनुमति देने संबंधी टिप्पणी और निर्देश ने इस बहस को फिर से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। पहली नजर में यह आदेश सामान्य प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसके पीछे छिपी वास्तविकता अत्यंत भयावह है। देशभर में प्रतिवर्ष लाखों लोग कुत्तों के काटने का शिकार हो रहे हैं और सैकड़ों लोग रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं।

भारत में पशुओं के प्रति दया और संवेदना की परंपरा रही है। संविधान के नीति-निर्देशक तत्व भी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा रखने की बात करते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि कोई पशु मनुष्य के जीवन और सुरक्षा के लिए खतरा बन जाए तो राज्य की जिम्मेदारी क्या होगी? क्या नागरिकों के मौलिक अधिकारों से ऊपर किसी भी प्रकार की भावनात्मक बहस को रखा जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में इसी संवैधानिक संतुलन की ओर संकेत किया है कि राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों का पहला दायित्व नागरिकों के जीवन और सुरक्षा की रक्षा करना है।

देश में आवारा कुत्तों के हमलों की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में भारत में कुत्तों के काटने के 30.43 लाख मामले दर्ज किए गए और 286 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2024 में भी लगभग 21.95 लाख कुत्ता काटने के मामले सामने आए, जिनमें 5 लाख से अधिक पीड़ित 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे थे। ये केवल सरकारी आंकड़े हैं, जबकि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में अनेक मामले दर्ज ही नहीं हो पाते।

एक शोध अध्ययन के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग 91 लाख पशु काटने के मामले सामने आते हैं और अनुमानित 5726 लोगों की मौत रेबीज से होती है। यह आंकड़ा इस ओर संकेत करता है कि समस्या केवल आवारा कुत्तों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरियों से भी जुड़ी हुई है। दिल्ली, केरल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। दिल्ली में पांच वर्षों के दौरान रेबीज से 37 लोगों की मौतें हुईं। केरल सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया कि अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच राज्य में 3.63 लाख कुत्ता काटने के मामले सामने आए, जिनमें लगभग एक-तिहाई मामले आवारा कुत्तों से जुड़े थे। हैदराबाद में वर्ष 2022 से 2025 के बीच रेबीज से मौतों में चार गुना वृद्धि हो गई।

इन आंकड़ों के पीछे केवल संख्याएं नहीं, बल्कि भयावह मानवीय त्रासदियां छिपी हैं। कई मामले ऐसे सामने आए हैं जहां छोटे बच्चों को आवारा कुत्तों ने घेरकर हमला किया और उनकी मौत हो गई। उत्तर प्रदेश, केरल, तेलंगाना और दिल्ली में पिछले कुछ वर्षों में ऐसी घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया।

समस्या का सबसे दुखद पहलू यह है कि गरीब और सामान्य नागरिक को कुत्ता काटने के बाद सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए कई बार चक्कर काटने पड़ते हैं। कई जिलों में रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन की उपलब्धता नहीं होती। मजबूर होकर लोगों को निजी मेडिकल स्टोर से महंगे इंजेक्शन खरीदने पड़ते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो समय पर इलाज न मिलने से मौत का खतरा और बढ़ जाता है।

यह भी गंभीर प्रश्न है कि आखिर सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा। क्या राज्य सरकारों और नगर निकायों की यह जिम्मेदारी नहीं थी कि वे समय रहते प्रभावी कदम उठाते? नगर निगमों द्वारा नसबंदी और टीकाकरण अभियान अक्सर कागजों तक सीमित रह जाते हैं। अनेक शहरों में वर्षों से कुत्तों की वास्तविक गणना तक नहीं हुई है। परिणामस्वरूप आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है।

हालांकि इस मुद्दे का समाधान केवल हिंसा या सामूहिक हत्या नहीं हो सकता। पशु-प्रेमियों की चिंताओं को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जरूरत इस बात की है कि समस्या का वैज्ञानिक, मानवीय और संतुलित समाधान निकाला जाए। बड़े स्तर पर नसबंदी अभियान, एंटी रेबीज टीकाकरण, कचरा प्रबंधन और डॉग शेल्टर जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। जिन कुत्तों का व्यवहार अत्यधिक आक्रामक और जानलेवा हो चुका है, उनके संबंध में कानून के तहत उचित कार्रवाई करनी होगी।

पशु-प्रेमियों को भी यह समझना होगा कि केवल भावनात्मक अपील से समस्या का समाधान संभव नहीं है। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा आवारा कुत्तों के हमले में घायल हो जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है, तो यह केवल एक आंकड़ा नहीं बल्कि पूरे परिवार के लिए आजीवन पीड़ा बन जाता है। इसलिए मानव जीवन और पशु संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही वास्तविक संवेदनशीलता होगी।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राज्य सरकारें, नगर निकाय, स्वास्थ्य विभाग और पशु कल्याण संगठन मिलकर एक समन्वित नीति तैयार करें। हर जिले में पर्याप्त एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध हो, अस्पतालों में उपचार आसान बनाया जाए, और आवारा कुत्तों की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए। साथ ही नागरिकों में भी जागरूकता बढ़ाई जाए कि कुत्ता काटने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता लेना क्यों जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप वास्तव में शासन-प्रशासन की विफलता पर एक गंभीर टिप्पणी है। यदि स्थानीय निकाय और सरकारें समय रहते अपनी जिम्मेदारियां निभातीं तो शायद अदालत को इस विषय में दखल देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। अब समय आ गया है कि संवेदनशीलता, वैज्ञानिक सोच और संवैधानिक जिम्मेदारी के साथ इस समस्या का स्थायी समाधान खोजा जाए, ताकि नागरिकों का जीवन सुरक्षित रह सके और बार-बार अदालत को हस्तक्षेप न करना पड़े।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की यात्रा और उसके हासिल

सियाराम पांडेय 'शांत' (हि.स)

प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की यात्रा कर भारत वापस आ गए हैं। उनकी यह 6 दिवसीय यात्रा प्रारंभ से लेकर अंत तक चर्चा के केंद्र में रही। अपने ही देश में उन पर तरह-तरह के फिकरे कसे गए। कांग्रेस ने तो उन्हें गद्दार तक कह दिया। एक ओर जहां नार्वे, नीदरलैंड, स्वीडन, इटली और संयुक्त अरब अमीरात में उन्हें हाथोंहाथ लिया गया, भारत के साथ अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, वहीं भारत में प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध विषवमन समझ से परे है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्रा और उसके हासिल पर चर्चा करें तो प्रधानमंत्री मोदी को विकल्पहीनता बिल्कुल पसंद नहीं। वे चुनौतियों का मुक्त हृदय से स्वागत करते हैं। संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की उनकी यात्रा को कमोबेश इसी आलोक में देखा-समझा जा सकता है। यह सच है कि उनकी यह यात्रा ऐसे दौर में हुई है, जब उन्होंने देशवासियों से डीजल-पेट्रोल बचाने की अपील की थी। मंत्रियों से विदेश यात्रा से बचने की अपील की थी। देश में उनकी अपील पर अमल शुरू भी हो गया है लेकिन उन्होंने और उनके पीछे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विदेश के लिए उड़ान भरकर देश को तो विस्मित किया ही, विपक्ष को सरकार के विरोध का मौका दे दिया है।

एक सच यह भी है कि ईरान और अमेरिका के युद्ध और अमेरिका-चीन वार्ता की विफलता के बाद पीएम नरेंद्र मोदी को इस बात का अहसास हो गया है कि आने वाला समय भारत के लिए बहुत आसान नहीं है। जिस तरह डीजल-पेट्रोल और गैस की कीमतें बढ़ रही हैं और होर्मुज स्ट्रेट का संकट फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है, उसे देखते हुए एक दरवाजा बंद होने से पहले नए दरवाजों की उनकी तलाश वाजिब भी है। आइसलैंड, फिनलैंड और डेनमार्क के प्रधानमंत्रियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा, व्यापार, सतत विकास और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती के जो प्रयास किए हैं, उसके सकारात्मक परिणामों को नकारा नहीं जा सकता। तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से ठीक पहले उन्होंने आइसलैंड की प्रधानमंत्री क्रिस्ट्रन फ्रॉस्टडॉटिर, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ बातचीत में तीनों नार्डिक देशों की विशेषताएं तो बताईं ही, भू-तापीय ऊर्जा तथा कार्बन कैप्चर और स्टोरेज जैसे मुद्दों पर भी गहन मंथन किया।

आपसी हितों से संबद्ध क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया। फिनलैंड के प्रधानमंत्री ओर्पो के साथ बैठक में उन्होंने व्यापार और निवेश, डिजिटलीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता , 5जी और 6जी, क्वांटम प्रौद्योगिकियों, नवीकरणीय ऊर्जा और चक्रीय अर्थव्यवस्था में सहयोग पर चर्चा की तो इस बीच दोनों देशों के बीच सितंबर 2026 में गुजरात के गांधीनगर में संयुक्त रूप से वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमिक फोरम की मेजबानी करने पर सहमति भी बनी। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय, जल प्रबंधन, हरित परिवहन, डिजिटलीकरण और खाद्य प्रसंस्करण सहित सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की। डेनमार्क के पेंशन फंड को भारत में अपने निवेश का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। उन्हें यह विश्वास दिलाने की भी कोशिश की कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। भारत और डेनमार्क के बीच वाराणसी में स्मार्ट लेबोरेटरी आन क्लीन रिवर्स की स्थापना के लिए सहयोग का भी जिक्र करना वे नहीं भूले।

नॉर्डिक देशों में डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। पांचों नॉर्डिक देशों की संयुक्त जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) 1.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है और वे नवीकरणीय ऊर्जा तथा सतत समुद्री शासन के वैश्विक मानकों में अग्रणी हैं। ओस्लो में आयोजित तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में मोदी और नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड तथा स्वीडन के नेताओं ने भाग लिया। भारत और आइसलैंड के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध हैं और आइसलैंड के लोग योग, शास्त्रीय संगीत, नृत्य, फिल्मों और खान-पान सहित भारतीय संस्कृति में गहरी रुचि रखते हैं। वर्तमान में लगभग 600 भारतीय नागरिक आइसलैंड में रह रहे हैं। मार्च 2024 में नयी दिल्ली में भारत और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच हुए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर हो चुके थे। इससे द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी में बढ़ोतरी हुई है। स्विट्जरलैंड, लिकटेंस्टाइन और नॉर्वे के साथ आइसलैंड ईएफटीए के चार सदस्य देशों में से एक है।

हेलसिंकी स्थित भारतीय दूतावास की वेबसाइट की मानें तो भारत में फिनलैंड की 100 से अधिक कंपनियों का कारोबार है। नोकिया, कोने एलिवेटर्स, मेट्सो आउटोटेक, वार्सिला, यूपीएम, लिंडस्ट्रॉम, फोर्टम, अहल्स्ट्रॉम और एल्कोटेक जैसी बड़ी फिनिश कंपनियों के भारत में विनिर्माण संयंत्र हैं। फिनलैंड में भारतीय मूल के लगभग 33,445 लोग रहते है। लगभग 2,400 भारतीय छात्र फिनलैंड के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत हैं। डेनमार्क की कई प्रमुख कंपनियों ने मेक इन इंडिया योजना के तहत नए कल-कारखाने लगे हैं। डेनमार्क की प्रमुख निवेश कंपनियों में एपी मोलर-मेर्स्क ग्रुप शामिल है, जो भारत के कंटेनर व्यापार का लगभग 19 प्रतिशत हिस्सा संभालता है। डेनमार्क में 22 हजार भारतीय रहते हैं, इनमें आईटी पेशेवर, डॉक्टर, इंजीनियर, वित्त और बैंकिंग पेशेवर, शिक्षाविद और छात्र शामिल हैं।

दुनिया के छठवें बड़े तेल उत्पादक देश नार्वे के साथ हुए भारत के नौ समझौते दोनों देशों के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। नरेंद्र मोदी की इस यात्रा में एक तरह से उन्होंने देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए न केवल ने विकल्प तलाशे हैं बल्कि उन्हें भारत सापेक्ष बनाने की भी कोशिश की है।

नई 'ग्रीन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' को उच्च स्तर पर ले जाने की पहल की है। समुद्री सहयोग, हरित प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, डिजिटल विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूती देने के विचार से दोनों देशों के मध्य हुए नौ अनुबंध दोनों देशों के आर्थिक, व्यापारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को मुकम्मल ऊंचाई देंगे, इसमें किसी को भी रंच मात्र का संदेह नहीं होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिनों की यह नॉर्वे यात्रा इसलिए भी बेहद खास रही क्योंकि नार्वे ने इस अवसर पर भारत की हिन्द प्रशांत महासागर योजना में शामिल होने की घोषणा की। भारत की ओर से भी उसे आश्वस्त किया गया कि भारत अगले साल आयोजित होने वाले 'नॉर शिपिंग' कार्यक्रम में हिस्सा लेगा, वह भी भारतीय मंडप के साथ। यह दोनों देशों की ओर से की गई बड़ी घोषाएं हैं जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दोनों देशों की सरकार के बीच जिन तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और नार्वे की अंतरिक्ष एजेंसी के बीच बा' अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग और अन्वेषण में सहयोग हेतु रूपरेखा समझौता, भारत और नॉर्वे के विदेश मंत्रालयों के बीच डिजिटल विकास साझेदारी पर समझौता ज्ञापन तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग के लिए नॉर्वे और भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय के मध्य समझौता शामिल है। व्यापार और संस्थागत सहयोग आधारित कई अहम समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल संस्थान के बीच सुरंग निर्माण, ढलान स्थिरता और क्षमता निर्माण से संबंधित विशेष परामर्श सेवाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। भारत के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग और नॉर्वे की अनुसंधान परिषद के बीच हुआ प्रौद्योगिकी सहयोग समझौता भी काफी अहम है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक अनुसंधान और हरित प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने के लिहाज से भारत की वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और नॉर्वे की सिंटेफ संस्था ने वर्ष 2026 से 2029 तक की गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए सहयोग समझौता किया है। उभय पक्षों ने समुद्री ऊर्जा, जिसमें अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजना पर भी दस्तखत किए हैं।

हैदराबाद स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान और नॉर्वे की एमराल्ड जियोमॉडलिंग एएस के बीच वैज्ञानिक और व्यावसायिक सहयोग के लिए भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। ये घोषणाएं और अनुबंध दोनों देशों के बीच हरित विकास, समुद्री सहयोग, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान आधारित साझेदारी को नई गति देने वाली हैं, इस सच को नकारा नहीं जा सकता।

भारत-नॉर्वे व्यापार और अनुसंधान शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों के हितधारकों को टीईपीए के तहत 100 अरब डॉलर के निवेश लक्ष्य तथा भारत में 10 लाख रोजगार सृजन के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करने चाहिए। जहाज निर्माण एक ऐसा क्षेत्र है जो व्यापक और असीम संभावनाएं प्रदान करता है। शिखर सम्मेलन में नॉर्वे के क्राउन प्रिंस हाकोन के अलावा 50 से अधिक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ-साथ दोनों देशों के व्यापार और अनुसंधान क्षेत्रों के 250 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्राएं सैर सपाटे के लिए नहीं होती, वहां वे अपने हर पल का भारत के समग्र हित में सहयोग करते हैं। वे अपनी विदेश यात्रा टाल भी सकते थे लेकिन जहां तक किसी सम्मेलन की बात है तो उसकी योजना वर्षों पूर्व से बनती है। इस पर भी विचार किए जाने की जरूरत है। विरोध के लिए विरोध करना किसी भी लिहाज से ठीक नहीं है।

प्रधानमंत्री जब विदेश यात्रा पर जाते हैं तो उनकी हर गतिविधि में विविधता होती है, वे मेजबान देशों के नेताओं को अगर उपहार भी देते है तो उसमें भी एकता और सांस्कृतिक जुड़ाव के सूत्र तलाशते हैं, हर बार वे ऐसा करते रहे हैं, इस बार भी उन्होंने ऐसा ही किया है। इस तरह से वे भारतीय उत्पादों की विदेशों में ब्रांडिंग करते हैं जिससे भविष्य के लिए व्यापार संभावनाओं का एक नया आकाश खुल सके।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से सम्बद्ध हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन काफी व्यस्तता भरा रह सकता है। संपत्ति से जुड़ा कोई बड़ा सौदा आपके पक्ष में हो सकता है। कार्यक्षमता में वृद्धि होने से आप अपने कई जरूरी काम समय पर पूरे कर पाएंगे। संतान को लेकर मन में थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः नये कार्यों से लाभ मिलने के संकेत हैं। व्यापार में जल्दबाजी या बिना सोचे-समझे निर्णय लेने से बचना बेहतर रहेगा। स्वादिष्ट भोजन और आरामदायक माहौल का आनंद उठाएंगे। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक बातचीत संबंधों को मजबूत करेगी। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः आज आपका दिन काफी भागदौड़ भरा रहेगा। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने की संभावना है। प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके अधिकांश काम समय पर पूरे हो जाएंगे। व्यवसाय में बड़ा बदलाव करने की योजना बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। ऐसे किसी भी गलत या अनैतिक कार्य से दूरी बनाकर रखें, जो भविष्य में परेशानी का कारण बन सके। आर्थिक मामलों को लेकर चिंता बनी रह सकती है। गलत संगति से बचने की आवश्यकता है। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः घर में शुभ और मांगलिक कार्यक्रम आयोजित हो सकते हैं। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होने से मानसिक तनाव कम होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समझ बढ़ेगी। नई योजनाओं और परियोजनाओं को लागू करने में सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः व्यापारिक सौदों में सावधानी बरतना आवश्यक रहेगा। सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। घरेलू विवाद से बचने के लिए अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। गलत गतिविधियों की ओर आकर्षण बढ़ सकता है, इसलिए सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः व्यापार में नए समझौते और अनुबंध मिलने की संभावना है। आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा और लोग आपके प्रयासों की सराहना करेंगे। अपने लक्ष्य से भटकने की बजाय फोकस बनाए रखें। घर की सजावट और सुख-सुविधाओं पर ध्यान देंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः दूसरों के मामलों में अधिक हस्तक्षेप करने से बचें। अधिक शक करने की आदत लोगों को आपसे नाराज कर सकती है। बच्चों को पढ़ाई में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः उच्च अधिकारी आपके काम और निर्णयों पर भरोसा करेंगे। विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। बुद्धिमान और अनुभवी लोगों की संगति से आपको लाभ मिलेगा। आपका व्यवहार लोगों को आकर्षित करेगा और सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

मकरः बेकार की बातों और विवादों में समय न गंवाएं। आज नया काम शुरू करना आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा। विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटक सकता है। महिला जातकों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः व्यवसाय में शानदार आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। धन से जुड़ी परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी। अधूरे कार्य पूरे होने से राहत महसूस करेंगे। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। किसी प्रतिष्ठित कंपनी से नौकरी का आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मीनः पुराने कर्ज या वित्तीय जिम्मेदारियों का दबाव महसूस हो सकता है। आपकी कुछ गलतियां लोगों के सामने आ सकती हैं, इसलिए सतर्क रहें। संकोच के कारण अपनी बात स्पष्ट रूप से कहने में कठिनाई हो सकती है। आज किसी नए काम की शुरूआत करना उचित नहीं होगा। *(सिटी दर्पण)*

यदि संघ शक्तिशाली होता तो देश का विभाजन नहीं होता! आम्बेकर के कथन का निहितार्थ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

भारत का विभाजन सिर्फ एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, अपने समय में वह भारतीय समाज की सामूहिक चेतना को झकझोर देने वाली ऐसी त्रासदी थी, जिसने करोड़ों लोगों को विस्थापन, हिंसा और असुरक्षा की आग में झोंक दिया। वर्ष 1947 का वह दौर भारतीय इतिहास का सबसे पीड़ादायक अध्याय माना जाता है और जिसके संस्मरण आज भी हमें दुख के सागर में डुबो देते हैं। वस्तुतः इसी विभाजन की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर का यह कथन अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि 'देश के विभाजन के समय संघ की शक्ति उतनी नहीं थी, अन्यथा विभाजन नहीं होता।'

देखा जाए तो यह कहना आरएसएस के संदर्भ तक सीमित न होकर उस व्यापक सामाजिक संगठन, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता की ओर संकेत करता है, जिसकी कमी उस समय देश ने महसूस की। दिल्ली में इंद्रप्रस्थ विश्व संवाद केंद्र द्वारा प्रस्तुत डॉक्यूमेंट्री 'दिल्ली में संघ यात्रा' के प्रदर्शन के अवसर पर सुनील आंबेकर ने जिस ऐतिहासिक संदर्भ को सामने रखा, वह स्वतंत्र भारत के निर्माण और विभाजन की त्रासदी के बीच समाज की भूमिका को समझने का अवसर था। उन्होंने बताया कि 1942 से 1947 के बीच दिल्ली और पंजाब में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का तीव्र गति से विस्तार हुआ था। बड़ी संख्या में युवा और समाज के विभिन्न वर्ग संघ के साथ जुड़ रहे थे, किंतु तभी विभाजन का दंश देश के सामने आ खड़ा हुआ, उस कठिन समय में संगठन की शक्ति इतनी व्यापक नहीं बन पाई थी कि वह राष्ट्रीय स्तर पर उस निर्णय को प्रभावित कर सके।

वास्तव में, संघ की स्थापना वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने इस उद्देश्य से की थी कि भारतीय समाज को संगठित और आत्मविश्वासी बनाया जाए। डॉ. हेडगेवार स्वयं स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े रहे थे। उन्होंने कांग्रेस के आंदोलनों में भाग लिया और अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया। उन्होंने यह अनुभव किया कि राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं होगी, जब तक समाज संगठित और सांस्कृतिक रूप से जागृत नहीं होगा। इसी सोच के साथ उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की।

यदि वे चाहते, तो उस समय वे स्वतंत्र राजनीतिक मंच तैयार कर सकते थे, पर उन्होंने संगठन और चरित्र निर्माण को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि संघ ने प्रारंभ से ही शाखाओं के माध्यम से अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता का कार्य प्रारंभ किया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान संघ के स्वयंसेवकों ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अनेक योगदान दिए। वर्ष 1930 के जंगल सत्याग्रह में डॉ. हेडगेवार स्वयं जेल गए। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भी अनेक स्वयंसेवकों ने भूमिगत रहकर आंदोलनकारियों की सहायता की। इतिहासकार और लेखक सी.पी. भिषीकर ने अपनी पुस्तक 'केशव : संघ निमार्ता' में उल्लेख किया है कि डॉ. हेडगेवार स्वतंत्रता को सर्वोच्च राष्ट्रीय ध्येय मानते थे। (सुरुचि प्रकाशन;पृ 178-184)।

यही वो कारण भी है जो संघ का वास्तविक योगदान विभाजन के समय सबसे अधिक दिखाई देता है। जब पंजाब, सिंध और बंगाल में सांप्रदायिक हिंसा भड़क रही थी, लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर थे, उस समय संघ के स्वयंसेवक राहत और सुरक्षा कार्यों में सक्रिय दिखाई दिए। ट्रेनें लाशों से भरकर आ रही थीं, महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार हो रहे थे, पूरा उत्तर भारत भय और अराजकता के दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में स्वयंसेवकों ने शरणार्थी शिविर लगाए, भोजन की व्यवस्था की, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया और विस्थापित परिवारों के पुनर्वास में सहायता की।

संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरुजी' ने स्वयंसेवकों को निर्देश दिया था कि पाकिस्तान में रह गए हिंदुओं की अंतिम व्यक्ति तक रक्षा सुनिश्चित की जाए। यही कारण था कि अगस्त 1947 के उथल-पुथल भरे दिनों में गुरुजी स्वयं कराची में उपस्थित थे और वहां स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन कर रहे थे। हजारों स्वयंसेवक सीमावर्ती क्षेत्रों में डटे रहे और अनेक ने अपने प्राणों की आहुति भी दी। संघ के सेवा कार्यों का उल्लेख एच.वी. शेषाद्रि की पुस्तक 'कृतिरूप संघ दर्शन' में विस्तार से मिलता है। पुस्तक में तथ्यों, एतिहासिक प्रमाणों के साथ वर्णित है कि विभाजन के दौरान स्वयंसेवकों ने पंजाब और दिल्ली में राहत शिविरों के संचालन में केंद्रीय भूमिका निभाई।(सुरुचि प्रकाशन;पृ 214-220)।

इसी प्रकार समीर चौगांवकर की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : अहम् से वयम् की यात्रा' में भी विभाजन के दौरान संघ की भूमिका का विस्तृत उल्लेख है। पुस्तक के अनुसार उस समय संघ के स्वयंसेवकों ने सिर्फ सुरक्षा कार्य ही नहीं किए, बल्कि विस्थापितों के पुनर्वास और सामाजिक पुनर्स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।(प्रभात प्रकाशन;पृ 132-145) ।

ऐसे में सुनील आंबेकर का कहना यह बताता है कि समाज जितना संगठित और जागरूक होगा, राष्ट्र उतना ही सुरक्षित रहेगा। विभाजन की त्रासदी राजनीतिक नेतृत्व की विफलता से अधिक समाज की असंगठित स्थिति का होना भी उसके पीछे एक कारण थी। यदि उस समय समाज में व्यापक स्तर पर सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता की शक्ति खड़ी हो चुकी होती, तो परिस्थितियां शायद अलग हो सकती थीं! पर यह संघ ही ही है, जिसने स्वतंत्रता के बाद भी स्वयं को शाखाओं के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं, युद्धों और सामाजिक संकटों के समय अपने स्वयंसेवकों को लगातार सेवा कार्य में लगे रहने के लिए प्रेरित किया और सतत कर रहा है।

1962 के भारत-चीन युद्ध के समय स्वयंसेवकों ने सीमा क्षेत्रों में सेना की सहायता की। 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान भी राहत और व्यवस्था कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका रही। 1975 के आपातकाल में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघ के हजारों स्वयंसेवक जेल गए। इसके अतिरिक्त भूकंप, बाढ़, महामारी और अन्य प्राकृतिक आपदाओं में भी संघ की सेवा गतिविधियां लगातार दिखाई देती रही हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भोजन वितरण, दवाइयों की व्यवस्था और अंतिम संस्कार तक में स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई और आज भी अनेक सेवा कार्य सीधे संघ स्वयंसेवकों के माध्यम से चल रहे हैं, यही कारण है कि संघ स्वयं को वैचारिक संगठन से अधिक भारतीयों के लिए समर्पित सेवा और समाज संगठन का आंदोलन मानता है।

वस्तुतः दिल्ली में प्रस्तुत डॉक्यूमेंट्री 'दिल्ली में संघ यात्रा' इसी ऐतिहासिक यात्रा को प्रमाणों, संस्मरणों और दस्तावेजों के माध्यम से सामने लाती है। दिल्ली की पहली शाखा से लेकर विभाजन की विभीषिका और आज तक के विस्तार को इसमें दशार्या गया है। इसके लिए 85 से अधिक पुस्तकों का अध्ययन, वरिष्ठ कार्यकताओं के साक्षात्कार और अभिलेखागारों की सामग्री का उपयोग किया गया।

आज जब संघ अपने 100 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष मना रहा है, तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर का यह कथन नई पीढ़ी के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश देता है। संगठित समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला बन सकता है। विभाजन की पीड़ा, स्वयंसेवकों का सेवा भाव और राष्ट्र निर्माण की भावना भारतीय इतिहास का ऐसा अध्याय है, जो अतीत के उस पल के बारे में बताता है, जब प्रत्येक स्वयंसेवक के मन में एक ही भाव था, काश; (संघ) हम इतने ताकतवर होते कि देश का विभाजन नहीं होने देते! भविष्य के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

निश्चित ही संघ जितना अधिक सामर्थ्यवान होगा, यह तय है कि भारत भी उतना ही समय के साथ समर्थ रूप में हमें दिखाई देता रहेगा, क्योंकि संघ के स्वयंसेवक के लिए अपने राष्ट्र देवता के लिए सर्वस्व समर्पण ही उसका ध्येय है!

भीषण गर्मी से निपटने के लिए पंजाब पूरी तरह तैयार : डॉ. बलबीर सिंह

सिविल सर्जनों को गर्मी से होने वाली बीमारियों के लिए 24/7 तैयार रहने और मेडिकल सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

सिटी दर्पण सवांददाता
चंडीगढ़

राज्यभर में भीषण गर्मी के कारण बढ़ रही कठिन परिस्थितियों के मद्देनजर पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बलबीर सिंह ने आज कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा अत्यधिक गर्मी के प्रभावों को रोकने, कम करने और प्रभावी प्रबंधन के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने हेतु सक्रिय कदम उठाए गए हैं। मंत्री ने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण हीट स्ट्रेस, हीट एग्जॉशन और हीट स्ट्रोक का खतरा काफी बढ़ जाता है तथा ह्रदय और सांस संबंधी समस्याओं में भी वृद्धि होती है।

डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, ह्लहमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी सिविल सर्जनों को सभी जिला अस्पतालों, सब-डिवीजन अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में समर्पित हीट स्ट्रोक प्रबंधन यूनिटों को कार्यशील करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये वार्ड सक्रिय कूलिंग उपायों से लैस हैं, जिनमें आइस पैक और ठंडे आई.वी. फ्लूइड शामिल हैं। प्रत्येक अस्पताल में आवश्यक चिकित्सीय सामग्री, जैसे ओ.आर.एस. और आपातकालीन दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया गया है। मंत्री ने आगे कहा कि मरीजों को अस्पताल लाते समय रास्ते में ठंडक उपलब्ध कराने के लिए एंबुलेंसों में भी आवश्यक सुविधाएं दी गई हैं। राज्य द्वारा गर्मी संबंधी बीमारियों (एच.आर.आई.) के मामलों की रियल-टाइम निगरानी के लिए आईएचआईपी पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है तथा हीट एक्शन प्लान के संबंध में जिला टास्क फोर्स द्वारा शिक्षा, श्रम और परिवहन विभाग के साथ बैठकें की जा रही हैं। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, ह्लहमारी मेडिकल टीमें पूरी तरह प्रशिक्षित और तैयार हैं, फिर भी मैं लोगों, विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों से सतर्क रहने तथा विभाग द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील करता हूं।

हीटवेव सुरक्षा सलाह

गर्मी से बचने के लिए क्या करें- - अधिक से अधिक पानी पिएं, हर 20-30 मिनट बाद पानी पिएं, चाहे प्यास न भी लगे। ओ.आर.एस., लस्सी और नींबू पानी का सेवन करें। **उपयुक्त कपड़े पहनें:** हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें। सिर ढकने के लिए छाता, टोपी या तौलिये का उपयोग करें। **अपने दिन की सही योजना बनाएं:** - बाहरी काम सुबह या शाम के ठंडे समय में करें। **समझदारी से भोजन करें:** तरबूज, संतरा और खीरे जैसे पानी से भरपूर फल खाएं। थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बार-बार भोजन करें। **घर को अंदर से ठंडा रखें:** - परदों और पंखों का उपयोग करें तथा उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करें। **मजदूरों की सुरक्षा:** - नियोक्ताओं को बाहर काम करने वाले मजदूरों के लिए छायादार आराम स्थल और सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराना चाहिए।

क्या न करें

दोपहर की तेज धूप से बचें: दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे के बीच बाहर न निकलें, जब तक बहुत जरूरी न हो। - **डिहाइड्रेट करने वाले पेय पदार्थों से बचें:** चाय, कॉफी, शराब और काबोर्नेटेड मीठे पेयों का सेवन कम करें। **भारी भोजन से बचें:** - तला-भुना, मसालेदार या बासी भोजन न खाएं, क्योंकि इससे पाचन प्रक्रिया धीमी हो सकती है। **कठिन काम न करें:** - दिन के सबसे गर्म समय में भारी काम करने से बचें।

वाहन सुरक्षा: - बच्चों या पालतू जानवरों को कभी भी पार्क किए गए वाहन में अकेला न छोड़ें।

ऐसे लक्षण जिनमें तुरंत चिकित्सा सहायता की जरूरत है

यदि आपको निम्नलिखित लक्षण महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें: शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक होना - मानसिक स्थिति में बदलाव, बेचैनी या दौरे पड़ना - गर्म, लाल और सूखी त्वचा - तेज सिरदर्द, मतली या दिल की धड़कन तेज होना *आपातकालीन हेल्पलाइन: 104, 108 या 112

गैंगस्टरों ते वार का 123वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 488 स्थानों पर छापेमारी

- पुलिस टीमों ने 101 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की, 12 को पूछताछ के बाद रिहा किया

सिटी दर्पण सवांददाता
चंडीगढ़

राज्य में चल रही निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरों ते वार' के 123वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 488 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों ते वार' – पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं।

उन्होंने बताया कि 123वें दिन पुलिस टीमों ने चार हथियारों सहित 222 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिसके साथ अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 31,430 हो गई है। इसके अलावा 101 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 12 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान चार भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों के संबंध में सूचना भी दे सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपनी मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' को 448वें दिन भी जारी रखा, जिसके तहत आज 113 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12.4 किलोग्राम हेरोइन, 279 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 2700 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 448 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 65,306 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 15 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए प्रेरित किया है।

मुँह-खुर की बीमारी से बचाव के लिए पशुओं के टीकाकरण की समीक्षा

- पशु पालन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की हुई बैठक
- संभावित बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति के दौरान पशुधन के बचाव और स्वास्थ्य संरक्षण संबंधी विभाग की हिदायतों से अवगत करवाया

सिटी दर्पण सवांददाता
जालंधर

पशु पालन विभाग के तहसील नकोदर और शाहकोट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक डिप्टी डायरेक्टर पशु पालन जालंधर डॉ. राम मूर्ति के नेतृत्व में तथा सीनियर वेटरनरी अधिकारी डा. अमनदीप और डा. जगजीत सिंह की देख-रेख में आयोजित की गई।

पशु अस्पताल नकोदर में हुई इस बैठक में पशु पालन विभाग जालंधर द्वारा पशुओं को मुँह-खुर की बीमारी से बचाने के लिए किए जा रहे टीकाकरण की समीक्षा की गई और इस कार्य को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में संभावित बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति के दौरान पशुधन के बचाव और स्वास्थ्य संरक्षण संबंधी डायरेक्टर पशु पालन विभाग पंजाब द्वारा जारी हिदायतों से सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अवगत करवाया गया तथा वेटरनरी टीमों का गठन किया गया।

इस बैठक में डा. राम मूर्ति ने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा, जिसके नोडल अधिकारी डा. कुलविंदर सिंह सहायक डायरेक्टर पशु पालन जालंधर होंगे।

बैठक में वेटरनरी अधिकारी डा. आत्मा सिंह, डा. एच.एस. बत्तरा, डा. अजय कुमार, डा. मुकेश कुमार, डा. गुलशन वी शाहकोट, डा. मेजर सिंह, डा. हरसिमरन सिंह, डा. दीपक कुमार, वेटरनरी इंस्पेक्टर बलजिंदर सिंह, रमन कुमार, शहिल शर्मा और हरमनदीप सिंह भी मौजूद थे।

निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी ढंग से करवाई जाएंगी नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव : जिला चुनाव अधिकारी

- कुल 1,08,067 वोटर करेंगे वोट के अधिकार का इस्तेमाल
- पारदर्शी ढंग से मतदान प्रक्रिया पूरी करने के लिए 133 पोलिंग बूथ, करीब 800 चुनाव कर्मी तैनात

सिटी दर्पण सवांददाता
जालंधर

डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला चुनाव अधिकारी श्री वरजीत वालिया ने बताया कि जिले में 26 मई को होने वाले नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव राज्य चुनाव आयोग, पंजाब के निदेर्शों के अनुसार निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी ढंग से करवाए जाएंगे। वालिया ने बताया कि नगर परिषद चुनावों में कुल 1,08,067 मतदाता अपने वोट का अधिकार इस्तेमाल करेंगे, जिनमें 54,943 पुरुष, 53,116 महिला और 8 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद नकोदर चुनाव में 27,964 आदमपुर में 12,610, करतारपुर में 19,736 नूरमहल में 11,105 नगर परिषद फिल्लौर में 19,179

नगर पंचायत लोहियां में 7,958, नगर पंचायत महितपुर में 9,515 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया को निर्विघ्न और उचित ढंग से पूरा करने के लिए 133 पोलिंग बूथ बनाए गए है और 800 चुनाव कर्मी तैनात किए गए है, जिन्हें जरूरी प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि जिले की 5 नगर परिषदों और 2 नगर पंचायतों के कुल 99 वार्डों के लिए 342 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे है। जिनमें नगर परिषद आदमपुर से 44 करतारपुर से 50 नकोदर से 55 नूरमहल से 41 फिल्लौर से 58 नगर पंचायत महितपुर और लोहियां खास से 47-47 उम्मीदवार शामिल है। उन्होंने बताया कि जिले में नगर कौंसिल आदमपुर के 13, करतारपुर के 15, नकोदर के 17, नूरमहल के 13, नगर कौंसिल फिल्लौर के 15 तथा नगर पंचायत महितपुर और लोहियाँ खास के 13-13 वार्डों के लिए 26 मई 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। मतगणना 29 मई 2026 को होगी।

उन्होंने सभी मतदाताओं से बिना किसी डर, भय या लालच के अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करने की अपील की। जिला चुनाव अधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मतदान प्रक्रिया उचित ढंग से करवाने के लिए सभी पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। इसके अलावा जिला पुलिस द्वारा सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए जाएंगे, ताकि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें।

सिद्धू-मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह की तबीयत खराब, जयपुर के निजी अस्पताल में भर्ती

सिटी दर्पण सवांददाता
चंडीगढ़

पंजाबी गायक सिद्धू-मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें इलाज के लिए जयपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से उन्हें सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत हो रही थी। जांच के दौरान डॉक्टरों ने उनकी हार्ट आर्टरी में ब्लॉकेज पाया, जिसके बाद तुरंत एंजियोप्लास्टी की गई। सफल उपचार के बाद अब उनकी हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है और अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है।

सूत्रों के मुताबिक बलकौर सिंह को अचानक सीने में भारीपन महसूस हुआ था, जिसके बाद परिवार ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों के पास पहुंचाया। मेडिकल जांच में ह्रदय की नसों में रुकावट सामने आने पर डॉक्टरों ने बिना देरी किए प्रक्रिया शुरू की। डॉक्टरों का कहना है कि समय रहते इलाज मिलने से स्थिति गंभीर होने से बच गई। फिलहाल उन्हें कुछ दिनों तक आराम करने और नियमित जांच कराने की सलाह दी गई है। बलकौर सिंह पिछले लंबे समय से अपने बेटे सिद्धू मूसेवाला की याद में सामाजिक और कानूनी लड़ाई लड़ते हुए लगातार लोगों के संपर्क में रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी की खबर सामने आने के बाद उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में चिंता का माहौल बन गया। सोशल मीडिया पर भी लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। परिवार के करीबी लोगों ने बताया कि अब उनकी सेहत स्थिर है और डॉक्टरों ने खतरे की कोई बात नहीं बताई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वे परिवार के साथ आराम कर रहे हैं।

मां ने डेढ़ साल की बच्ची के पेट में घोंपा चाकू, मौत

पटियाला। पटियाला में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक मां ने अपनी मासूम बच्ची को चाकू से गोदकर मार डाला। पुलिस ने बच्ची के पिता के बयान पर उसकी मां के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। वारदात पटियाला के गांव खेड़की की है, जहां एक महिला ने अपनी करीब डेढ़ साल की बेटी के पेट में चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मां के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। राम नगर पुलिस पोस्ट इंचार्ज और केस के जांच अधिकारी पवित्र सिंह ने बताया कि मृतका बच्ची परनीत कौर के पिता हरप्रीत सिंह निवासी गांव खेड़की के बयान के मुताबिक, उसकी शादी लवप्रीत कौर निवासी गांव बड़वा, थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र (हरियाणा) से 2023 में हुई थी। इस शादी से उसकी करीब 21 महीने की एक बेटी है। हरप्रीत ने बताया कि उसकी पत्नी डिप्रेशन में रहती थी। उसकी दवा पटियाला से चल रही थी, लेकिन ससुराल वालों ने पिछले दिनों उसकी दवा पीजीआई चंडीगढ़ से ली थी। इसके बाद साला खुशप्रीत सिंह उसकी पत्नी और बेटी को छोड़ने आया था और रात में उनके पास ही रुका था। सुबह जब वह खेतों से घर लौटा तो देखा कि उसके पिता मान सिंह आंगन में जोर-जोर से चिल्ला रहे थे। जब वह कमरे में गया तो देखा कि बेटी खून से लथपथ जमीन पर पड़ी थी।

खन्ना का बेटा बना कनाडा में जज, विक्रमजीत सिंह औजला को ओंटारियो में मिली नियुक्ति

सिटी दर्पण सवांददाता
जालंधर

पंजाबियों ने एक बार फिर दुनिया में अपनी मेहनत, काबिलियत और लगन का परचम लहराया है। पंजाब के खन्ना के गांव नसराली से संबंध रखने वाले विक्रमजीत सिंह औजला को कनाडा के ओंटारियो प्रांत में जज नियुक्त किया गया है। यह केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे पंजाब और खास तौर पर खन्ना के लिए बेहद गर्व और सम्मान का क्षण है।

विक्रमजीत सिंह औजला ने अपनी अथक मेहनत और ईमानदार कार्यशैली के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्षों तक अदालतों में गंभीर आपराधिक मामलों पर काम किया और अपनी योग्यता का लोहा मनवाया। उनकी काबिलियत और निष्पक्ष सेवा को देखते हुए अब उन्हें ओंटारियो न्यायालय में जज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह उपलब्धि साबित करती है कि पंजाबी जहां भी जाते हैं, अपनी मेहनत और संघर्ष से नई मिसाल कायम कर देते हैं। खन्ना की मिट्टी से निकला यह होनहार नौजवान आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। विक्रमजीत सिंह औजला की यह सफलता हर युवा को यह संदेश देती है कि अगर इरादे मजबूत हों, मेहनत सच्ची हो और लक्ष्य साफ हो, तो दुनिया की कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती। जस्टिस औजला ने साल 2011 में ओंटारियो बार काउंसिल की सदस्यता ली थी।

225 दिन बाद खुले हेमकुंड साहिब के कपाट

सिटी दर्पण सवांददाता
चंडीगढ़

करीब 225 दिनों के लंबे इंतजार के बाद उत्तराखंड स्थित पवित्र हेमकुंड साहिब के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कपाट खुलने के अवसर पर गुरुद्वारे को लगभग 5 क्विंटल रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया, जिससे पूरा धाम भव्य और आकर्षक दिखाई दिया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचने लगे और पहले ही दिन 6605 लोगों ने माथा टेका। धार्मिक माहौल के बीच श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को मिला।

कपाट खुलने की प्रक्रिया धार्मिक परंपराओं और अरदास के साथ संपन्न हुई। सेना, स्थानीय प्रशासन और गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की मौजूदगी में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया गया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। यात्रा मार्ग पर मेडिकल कैंप, पुलिस सहायता केंद्र और राहत सेवाएं भी तैनात की गई हैं।

हेमकुंड साहिब सिख समुदाय के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है और हर साल देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। इस बार यात्रा शुरू होने से पहले ही 67 हजार से अधिक लोग ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ सकती है।

ऊंचाई वाले क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहां का मौसम तेजी से बदलता है, इसलिए यात्रियों को सावधानी बरतने और स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए है। कपाट खुलने के साथ ही पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल बन गया है।

धालीवाल ने की पंजाब पुलिस की तारीफ, कहा- साइबर आतंकवाद के बड़े नेटवर्क का किया भंडाफोड़

सिटी दर्पण सवांददाता
अमृतसर

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने साइबर आतंकवाद के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करने और पश्चिम बंगाल से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस की तारीफ की।

शुक्रवार को अमृतसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार शुरू से ही वादा करती रही है कि आतंक फैलाने, फायरिंग करने, धमाके करने या किसी भी तरह से राज्य का माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि आज के दौर में साइबर आतंकवाद एक नई बड़ी चुनौती के रूप में उभरा है, जिसके तहत स्कूल, कॉलेज और सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की झूठी धमकियां दी जाती रही हैं। इस चुनौती का बहादुरी से सामना करते हुए अमृतसर पुलिस के बहादुर जवानों ने साइबर आतंकवाद के एक बड़े नेटवर्क के मुख्य आरोपी को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है।

धालीवाल ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति 30 साल का युवक है, जिसके पाकिस्तान, बांग्लादेश समेत कई देशों और राज्यों से संपर्क थे। यह व्यक्ति एक बड़े गैंग का हिस्सा था, जो ईमेल और व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में आतंक फैलाता रहा। यह वही व्यक्ति है जिसने पंजाब सचिवालय, विधानसभा और श्री दरबार साहिब को उड़ाने की धमकी दी थी। धालीवाल ने साफ कहा कि साइबर आतंकवाद को कंट्रोल करना आम आतंकवाद से कहीं ज्यादा मुश्किल काम है, क्योंकि अमेरिका, कनाडा या किसी भी देश में बैठा कोई भी व्यक्ति साइबर माध्यम से धमकियां दे सकता है। इसके बावजूद पंजाब पुलिस ने इस चुनौती में बड़ी कामयाबी हासिल की है। उन्होंने पंजाब और अमृतसर के लोगों को मैसेज दिया कि घबराने की जरूरत नहीं है। आप सरकार हर व्यक्ति की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियान का ज़िक्र करते हुए धालीवाल ने कहा कि मान सरकार ने बड़े-बड़े तस्करों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है, जो पिछली किसी सरकार के समय में नहीं हुआ। उन्होंने केंद्र सरकार से पंजाब की 332 किलोमीटर लंबी सीमा पर तैनात बीएसएफ जवानों को मॉडर्न एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी और हथियार देने की भी अपील की, जो अब तक नहीं दिए गए हैं। अमृतसर में पुलिस और गैंगस्टरों के बीच हुई मुठभेड़ में भगवानपुरिया गैंग से जुड़े एक शूटर को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके एक साथी को भी पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दोनों आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे और हत्या की योजना बनाकर शहर में घूम रहे थे। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर तलाशी अभ्यिान शुरू किया। जैसे ही पुलिस टीम ने संदिग्धों को रोकने की कोशिश की, आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक शूटर घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दीक्षांत समारोह | महिला छात्राओं ने पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री प्राप्तकर्ताओं में 52.1 प्रतिशत हिस्सा रखा

चीफ जस्टिस ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में की वर्चुअल शिरकत, लाइब्रेरी का किया उद्घाटन

जगमार्ग न्यूज
बठिंडा

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि आज के तेजी से बदलते टेक्नोलॉजी युग में संवैधानिक मूल्यों, नैतिक आचरण, ईमानदारी और करुणा का विशेष महत्व है। केंद्रीय पंजाब विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में वर्चुअल संबोधन देते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने छात्रों से अपील की कि वे दयालुता, सहानुभूति और मानवीय मूल्यों को बनाए रखते हुए समावेशी और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सार्थक योगदान दें।

डिजिटल प्रगति से पैदा हो रहे अवसरों को स्वीकार करते हुए उन्होंने डिजिटल युग में उभर रही नैतिक चुनौतियों के प्रति सावधान भी किया। छात्रों से विनम्र और सामाजिक रूप से जिम्मेदार रहने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि डिग्री हासिल करना समाज और राष्ट्र के प्रति बड़ी जिम्मेदारियों की शुरूआत है। समारोह के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने विश्वविद्यालय के नए लाइब्रेरी भवन का भी वर्चुअल उद्घाटन किया।

31,410 वर्ग फुट क्षेत्रफल में निर्मित यह भवन करीब 14.40 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है, जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और शोध सुविधाओं को और मजबूत करेगा। आईआईटी रोपड़ के निदेशक राजीव अहुजा ने केंद्रीय पंजाब विश्वविद्यालय की लगातार प्रगति की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय की मजबूत शोध संस्कृति की प्रशंसा करते हुए छात्रों को नवाचार, शोध और आजीवन सीखने को अपनाने की सलाह दी। छात्रों को जीवन में शॉर्टकट से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि मेहनत करें, ज्ञान बढ़ाएं, इनोवेटर और जॉब क्रिएटर बनें तथा समर्पण और टीम वर्क के साथ 'विकसित भारत' के विजन में योगदान दें। समारोह में केंद्रीय पंजाब विश्वविद्यालय ने पूरे भारत और विदेश से आए छात्रों को 981 पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री और 92 पीएचडी डिग्री प्रदान कीं। साथ ही 44 मेधावी छात्रों को उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। महिला छात्राओं ने पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री प्राप्तकर्ताओं में 52.1 प्रतिशत और स्वर्ण पदक विजेताओं में 61.36 प्रतिशत हिस्सा रखा।

पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे हुआ महंगा, नई दरें लागू

दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलो बढ़ी

- पिछले 9 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम में तीसरी बार इजाफा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शनिवार को एक बार फिर बढ़ोतरी की है। पेट्रोल के दाम में 87 पैसे लीटर और डीजल के भाव में 91 पैसे प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है। इसके अलवा दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलो बढ़ गई हैं। नई दरें शनिवार से लागू हो गई हैं।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार नई दिल्ली में पेट्रोल के दाम 87 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी के साथ अब 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, डीजल का भाव 91 पैसे महंगा होकर 92.49 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। तेल एवं विपणन कंपनियों ने पिछले 9 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम में तीसरी बार इजाफा किया है। पेट्रोल, डीजल के दाम में 15 मई के बाद से यह तीसरी बढ़ोतरी है। सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण बढ़ी ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे उपभोक्ताओं पर डालना शुरू कर दिया है। 15 मई को कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। उसके बाद 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 90 पैसे लीटर बढ़ाये गये थे। कुल मिलाकर, ईंधन की कीमतों में लगभग 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।

इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतें 1 रुपये प्रति किलो बढ़ गई हैं। इस बदलाव के बाद दिल्ली में सीएनजी अब 81.09 रुपये प्रति किलो मिलेगी। वहीं, पिछले 10 दिनों में सीएनजी की कीमत में यह तीसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले सरकार ने 15 मई को सीएनजी के दाम 2 रुपये और फिर 18 मई को 1 रुपये बढ़ाए थे।

फोटोः हि.स.

शास्त्री पार्क फर्नीचर मार्केट में आग, रातभर धधकती रहीं दुकानें

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले के शास्त्री पार्क स्थित फर्नीचर मार्केट में शुक्रवार देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी मार्केट धुएं और ऊंची लपटों की चपेट में आ गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। जानकारी के मुताबिक, रात 11:57 बजे फायर कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके के लिए रवाना कर दी गईं। आग की भयावहता को देखते हुए लगातार अतिरिक्त संसाधन भेजे गए। रात करीब 1:20 बजे तक 23 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी थीं और आग पर काबू पाने के लिए अभियान लगातार जारी था। दमकल विभाग के डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर डी.बी. मुखर्जी के अनुसार, फर्नीचर मार्केट में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। लकड़ी, फोम, प्लास्टिक और अन्य सामान के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और कुछ ही समय में उसने विकराल रूप धारण कर लिया। हालात को देखते हुए आग को हाईमीडियम कैटेगरी फायर घोषित किया गया। आग बुझाने में दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। संकरी गलियों और लगातार उठ रही तेज लपटों के बीच राहत और बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण बना रहा। आग की वजह से आसपास के इलाके में धुएं का गुबार फैल गया, जिससे लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए।

नीट परिक्षार्थियों के लिए बिहार सरकार की अच्छी पहल

फोटोः हि.स.

- सभी सरकारी बसों में मिलेगी निशुल्क सुविधा

एजेंसी (हि.स.)
पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (नीट) में शामिल होने वाले लाखों छात्र-छात्राओं के लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की सभी सरकारी बसों में आवागमन पूरी तरह से निःशुल्क रखने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिय फेसबुक पर लिखा कि नीट परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु बिहार राज्य की सभी सरकारी बसों में आवागमन निःशुल्क रहेगा। साथ ही, जिला प्रशासन, राज्य के सभी मठ-मंदिरों एवं गैर-सरकारी संगठनों से आग्रह है कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए पेयजल, सत्तू आदि की व्यवस्था में सहयोग करें। इस आदेश के तहत परीक्षा के दिन छात्रों को अपना एडमिट कार्ड (प्रवेश पत्र) दिखाने पर बसों में टिकट नहीं लेना होगा। सरकार के इस कदम से न केवल छात्रों को समय पर केंद्र पहुंचने में मदद मिलेगी, बल्कि उनके अभिभावकों को भी आर्थिक राहत मिलेगी। सम्राट सरकार की इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले परीक्षार्थियों को बिना किसी आर्थिक और मानसिक तनाव के परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में मदद करना है। बिहार में भीषण गर्मी को देखते हुए सरकार ने जिला प्रशासनों को हाई अलर्ट पर रहने को कहा है। सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के परीक्षा केंद्रों पर बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराएं।

तुलसी गबार्ड ने दिया इस्तीफा ट्रंप बोले- कमी खलेगी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

अमेरिका में खुफिया एजेंसियों की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में तुलसी गबार्ड को अमेरिका की 18 खुफिया एजेंसियों पर निगरानी रखने वाली राष्ट्रीय खुफिया संस्था का निदेशक नियुक्त किया था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने तुलसी गबार्ड का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है तथा उनके सहायक उपनिदेशक आरोन लुकास को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। तुलसी आगामी 30 जून को पदमुक्त होंगी। राष्ट्रपति ट्रंप को भेजे गए अपने त्यागपत्र में तुलसी ने अपने पति अब्राहम की बीमारी का जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि मेरे पति एक दुर्लभ किस्म के हड्डियों के कैंसर से पीड़ित हैं। वह पति की देखभाल के लिए समय चाहती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर तुलसी के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें उनकी कमी खलेगी। तुलसी ने अपने त्यागपत्र में ईरान युद्ध या अन्य मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन की नीतियों से किसी असहमति का उल्लेख नहीं किया है। हालांकि राजनीतिक हलकों में यह आम चर्चा थी कि तुलसी गबार्ड ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उसके खिलाफ छेड़े गए युद्ध के खिलाफ थीं। पिछले कुछ महीनों के दौरान ट्रंप प्रशासन के कई मंत्रियों और अधिकारियों ने इस्तीफा दिया है।

फोटोः हि.स.

गोविंदपुरी डबल मर्डर केसः मां-बेटे की हत्या का आरोपित सौरभ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में 20 मई को मां और बेटे की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। दक्षिण-पूर्वी जिले पुलिस उपायुक्त डा. हेमंत तिवारी ने शनिवार को बताया कि, आरोपित के साथ दक्षिण-पूर्व जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड (एएनएस) टीम की मुठभेड़ हुई। जिसमें जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपित के पैर में गोली लगी। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपित घाटी पार्क इलाके में मौजूद है और वहां बैठकर नशा कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ने की योजना बनाई। पुलिस ने आरोपित को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा लेकिन आरोप है कि पुलिस टीम को देखते ही उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपित के पैर में गोली लगी। घायल हालत में उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया। मुठभेड़ के बाद आरोपित सौरभ को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि 20 मई को गोविंदपुरी इलाके में मां शारदा और बेटे खुशहाल की हत्या की वारदात सामने आई थी।

नेपाल के पांचथर में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के पाँचथर जिले में बाढ़ और भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ है। शनिवार सुबह आई बाढ़ के कारण सड़क, पुल, खेती योग्य जमीन और घरों को क्षति पहुंची है। मध्यपहाड़ी लोकमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। ओयाम बाजार के पास भूस्खलन हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार फलैचा और च्याङ्थापु के विभिन्न स्थानों पर खेत बह गए हैं। च्याङ्थापु में दो घरों को भी नुकसान पहुंचने की जानकारी मिली है। पाँचथर से ताप्लेजंग जाने वाले मार्ग पर इन्द्रावती नदी के पुल को क्षति पहुंची है। इसी तरह तमोर कॉरिडोर के निमार्णाधीन लिम्बुनी पुल को भी नुकसान हुआ है। पड़ोसी जिला ताप्लेजुंग के सिदिङबा क्षेत्र में भी बाढ़ और भूस्खलन से नुकसान होने की बात स्थानीय लोगों ने बताई है। कावेली और तमोर नदियों में बाढ़ आ गई है। पाँचथर के पुलिस प्रमुख डीएसपी अनिश कर्ण ने जानकारी दी कि बाढ़ और भूस्खलन से सड़क, पुल और फसलों को नुकसान पहुंचने की खबरें मिली हैं तथा क्षति का विवरण एकत्र करने का काम जारी है।

नेपाली सेना के अवकाश प्राप्त जनरलों का सम्मेलन

काठमांडू। नेपाली सेना के मुख्यालय में सेवानिवृत्त सेना के जनरल के साथ अन्तरक्रिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेपाली सेना की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक शनिवार को सम्पन्न इस अन्तरक्रिया कार्यक्रम में नेपाली सेना के स्थापना काल से निभा रही जिम्मेदारियों, महत्वपूर्ण कार्यों तथा कल्याणकारी गतिविधियों की समीक्षा करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े समसामयिक विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर नेपाली सेना प्रधान सेनापति जनरल अशोक राज सिग्देल ने कहा कि नेपाली सेना के समयानुकूल आधुनिकीकरण और क्षमता विकास के लिए राष्ट्र एवं संस्था के प्रति समर्पित वरिष्ठ नेतृत्व से लगातार प्रेरणा मिलते रहने पर उनके अमूल्य योगदान के प्रति उच्च सम्मान व्यक्त किया। नेपाली सेना ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों के बीच निरंतर संबंध बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही प्राप्त राय और सुझाव राष्ट्रीय दायित्वों को आत्मसात करते हुए समग्र रूप से राष्ट्रीय हितों की रक्षा में सहायक सिद्ध होंगे।

संक्षिप्त-समाचार

बस दुर्घटनाग्रस्त एक की मौत 45 घायल

जोरहाट (असम)। जोरहाट जिले के नाऊबेसा इलाके में नाइट सुपर बस दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य 45 से अधिक लोग घायल हो गए । पुलिस ने शनिवार को बताया कि यात्रियों से भरा बस नाऊबेसा इलाके में अनियंत्रित होकर पलट जाने की वजह से यह हादसा हुआ। सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है । घटना के समय बस गुवाहाटी से माजुली के कमलाबाड़ी तक जा रही थी। पुलिस इस संबंध में दुर्घटना का एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पीवीयूएनएल से फ्लाई ऐश का पहला रेक असम रवाना

रामगढ़। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल), पतरातू ने 4000 टन फ्लाई ऐश की पहली ऐश रेक शनिवार को मे. स्टार सीमेंट, टेटेलिया, असम के लिए रवाना किया। यह पतरातू से लगभग 1243 किलोमीटर दूर स्थित है। विशेष बात यह रही कि पीवीयूएनएल में प्राप्त कोयला रेक को ही बैक-लोडिंग के माध्यम से फ्लाई ऐश परिवहन हेतु उपयोग में लाया गया। जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर रेक को पीवीयूएनएल के सीईओ ए.के. सहगल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अनुपम मुखर्जी, सीजीएम (प्रोजेक्ट), मनीष खेतरपाल, जीएम (ओ एंड एम), ओम प्रकाश सोलंकी, जीएम (मेंटेनेंस एवं एडमिनिस्ट्रेशन), पीवीयूएनएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं मे. स्टार सीमेंट के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सीईओ ने कहा कि यह पहल पीवीयूएनएल के विकास एवं कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करती है। रेल रेक के माध्यम से 4000 टन फ्लाई ऐश के परिवहन से लगभग 15,000 लीटर डीजल की बचत हुई है। जो सामान्यतः ऐश को डिस्पोजल साइट तक पहुँचाने में प्रयुक्त होता। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ऊर्जा संसाधनों की भी महत्वपूर्ण बचत होगी।

थौबल में हथियार और विस्फोटक बरामद केवाईकेएल उग्रवादी व ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में चलाए गए विशेष अभियानों के दौरान भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद बरामद किया। यह कार्रवाई खोंगजोम थाना क्षेत्र के टेकचाम मानिंग चिंग इलाके में की गई। मणिपुर पुलिस मुख्यालय से आज जारी आधिकारिक बयान के अनुसार बरामद सामानों में एक एसएमजी कार्बाइन मैगजीन सहित, चार बोल्ट एक्शन राइफल, दो 9 एमएम पिस्तौल मैगजीन सहित, एक एसबीबीएल, एक डीबीबीएल, चार 2 इंच पैरा बम, एक 36 एचई हैंड ग्रेनेड, 10 बारह बोर कारतूस तथा तीन जिंदा 9 एमएम गोलियां शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को खोंगजोम पापल लामखाई इलाके से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केवाईकेएल के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान नेप्राम बिकाश सिंह उर्फ मंगलेम्बा उर्फ इंगोचा (30) के रूप में हुई है। वह लांगाथेल चिंगखोंग लैकाई का निवासी है और वर्तमान में वाइखोंग उयुंग खुनौ में रह रहा था। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। वहीं, एक अन्य मादक पदार्थ विरोधी अभियान में मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर जिले के सिंगनाट थाना क्षेत्र के सुआंगदोह गांव के पास लगाए गए अस्थायी वाहन जांच चौकी पर एक मारुति इग्निस वाहन (एमजेड01एडी-5474) को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके चालक सियामखानसुआन सामते (44), निवासी गौचिनखुप वेंग, न्यू लामका, चुराचांदपुर, को गिरफ्तार कर लिया।

रुद्रप्रयाग-श्रीनगर हाईवे पर मैक्स वाहन पलटा नौ लोग घायल

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय राजमार्ग-07 पर रुद्रप्रयाग से लगभग चार किलोमीटर आगे श्रीनगर की ओर जा रहा एक मैक्स वाहन शनिवार को अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। दुर्घटना के समय वाहन में चालक सहित कुल 9 लोग सवार थे। हादसे में 8 यात्रियों को सामान्य चोटें आई हैं, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि दुर्घटना की सूचना आज सुबह 10:07 बजे जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। 108 एम्बुलेंस सेवा, पुलिस टीम और राहत-बचाव दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। स्थानीय पुलिस और रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर समन्वय के साथ राहत अभियान चलाया और सभी घायलों को सुरक्षित निकालकर जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल चालक का चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी है, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया है। जिला प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित समन्वय और प्रभावी राहत कार्य सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

चढ़ावे के पैसे से वीआईपी मेहमाननवाजी बीकेटीसी पर आरटीआई से खुलासा

देहरादून। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर नया विवाद सामने आया है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता विकेश सिंह नेगी ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर आरोप लगाया है कि मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं के दान-चढ़ावे के धन का उपयोग वीआईपी मेहमाननवाजी, आवास, भोजन और हेलीकॉप्टर टिकटों पर किया। अधिवक्ता नेगी के अनुसार बीकेटीसी की ओर से कई राजनीतिक और अन्य व्यक्तियों को 'अतिथि' दर्शाकर उनके आवास और भोजन पर लाखों रुपये खर्च किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों को विशेष सुविधाएं प्रदान की गईं। जारी आरोपों के अनुसार कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की पुत्री नेहा जोशी के दो दिन के आवास एवं भोजन पर लगभग 60 हजार रुपये खर्च किए गए। इसके अलावा केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल के नाम पर 37,500 रुपये, प्रधानमंत्री मोदी के भाई पंकज मोदी के लिए 22 हजार रुपये सहित अन्य भाजपा पदाधिकारियों के आवास पर भी हजारों रुपये खर्च किए जाने का दावा किया गया है। अधिवक्ता नेगी ने आरोप लगाया कि बीकेटीसी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के अतिथियों के हेलीकॉप्टर टिकटों का भुगतान भी मंदिर कोष से किया गया।

ओलेक्स पर आईफोन बेचने वालों को बनाते थे निशाना, दो आरोपित गिरफ्तार, 13 फोन बरामद

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने ओलेक्स के जरिए महंगे आई फोन बेचने वाले लोगों को निशाना बनाने वाले अंतरराज्यीय ठगी गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सक्रिय आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 13 महंगे आई फोन बरामद किए हैं। दोनों आरोपित कथित तौर पर ओलेक्स और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर महंगे मोबाइल बेचने वाले लोगों से संपर्क कर उन्हें झांसे में लेकर फोन लेकर फरार हो जाते थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रामपुर (उप्र) निवासी मोहम्मद सय्यद मेहरान शाह और मुआज खान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मुआज खान पहले भी चोरी, लूट और ठगी के मामलों में शामिल रह चुका है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि मामले का खुलासा उस समय हुआ जब अभिषेक डागर नामक युवक ने राजौरी गार्डन थाने में शिकायत दी। शिकायत में बताया गया कि उसने अपना आई फोन ओलेक्स पर बिक्री के लिए डाला था। कुछ समय बाद दो लोगों ने उससे संपर्क किया और मोबाइल खरीदने के बहाने उसे राजौरी गार्डन इलाके में बुलाया। आरोप है कि तय योजना के तहत दोनों आरोपितों ने अभिषेक को भरोसे में लिया और मौका मिलते ही उसका फोन लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर राजौरी गार्डन थाने में ई-एफआईआर संख्या 80039211/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने होटल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। साथ ही तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना तंत्र को भी सक्रिय किया गया। जांच के लिए एसआई रवि नरवाल, हेड कांस्टेबल प्रीतम, हेड कांस्टेबल पंकज, हेड कांस्टेबल राम मनोहर, कांस्टेबल सुमित, कांस्टेबल प्रमोद और कांस्टेबल हरिमोहन की टीम गठित की गई। पुलिस टीम को तकनीकी इनपुट और गुप्त सूचना मिली कि आरोपित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पास सोहना क्षेत्र में मौजूद हैं। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया।

फोटोः हि.स.

समाजसेवी बजरंग महतो से 50 लाख रंगदारी की मांग, जांच में जुटी पुलिस

रांची। रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित प्रेमनगर निवासी समाजसेवी बजरंग महतो से 50 लाख की रंगदारी मांगने का मामला शनिवार को प्रकाश में आया है। रंगदारी नहीं देने पर फौजी कार्रवाई करने की धमकी दी गई है। इस संबंध में बजरंग महतो ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित बजरंग महतो ने प्राथमिकी में बताया है कि वह अपने घर पर मौजूद थे, तभी एक विदेशी नंबर से उनके व्हाट्सएप पर मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले ने दो दिनों के भीतर 50 लाख देने को कहा। रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने और कार्रवाई करने की धमकी दी। पीड़ित परिवार ने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। थाना प्रभारी ने बताया कि धमकी देने में इस्तेमाल किए गए नंबर की तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। साइबर सेल के जरिए भी पूरे मामले की पड़ताल की जा रही है। मामला दर्ज कर गहन जांच पड़ताल की जा रही है।

कर्नाटक के कलबुर्गी में भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
कलबुर्गी

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के चित्तापुर तालुक के लाडलापूर गांव के समीप शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। यह हादसा क्रूजर वाहन और एक तेज रफ्तार ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर से हुआ। मृतक चित्तापुर तालुक के इंगळगी गांव के निवासी बताए गए हैं और सभी एक ही परिवार से संबंधित थे। मृतकों की पहचान टोलू पाशा (27), महिबूब (45), हुसेनी बुड़ान शाहा (48), रसूल बी (42) और फातिमा (38) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इंगळगी गांव के एक बीमार व्यक्ति को इलाज के लिए यादगीर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद परिवार के सदस्य क्रूजर वाहन से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान देर रात लाडलापूर गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने क्रूजर वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि क्रूजर वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

महाकाल के दरबार में पहुंचे रेमो डिसूजा, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन, शयन आरती में हुए शामिल

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में शुक्रवार रात बॉलीवुड जगत की चर्चित हस्तियां रेमो डिसूजा, अभिनेत्री अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे। तीनों ने भगवान श्री महाकालेश्वर की शयन आरती में शामिल होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर एवं फिल्म निमार्ता रेमो डिसूजा अपनी पत्नी के साथ रात करीब 10 बजे मंदिर पहुंचे। उनके साथ अभिनेत्री अंकिता लोखंडे और अभिनेता विक्की जैन भी मौजूद रहे। सभी ने नंदी हॉल में बैठकर बाबा महाकाल की दिव्य शयन आरती के दर्शन किए। आरती के दौरान तीनों कलाकार श्रद्धा और भक्ति में लीन नजर आए। आरती के पश्चात रेमो डिसूजा, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने नंदी महाराज का पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद उन्होंने चांदी द्वार से भगवान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सभी कलाकारों का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया। मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं ने भी अपने पसंदीदा सितारों की एक झलक पाने के लिए उत्साह दिखाया।

नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026 काउंटडाउन रन को मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन, रोजगार को मिलेगी नई गति: धामी

- 27 राज्यों और 2 देशों से 900 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, 'क्यालु-हिम तेंदुआ' शुभंकर का अनावरण

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आयोजित 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन 2026' के काउंटडाउन रन कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन, होमस्टे, स्थानीय उत्पादों और युवा उद्यमिता को नई दिशा देगा।

इस अवसर पर उन्होंने मशाल प्रज्ज्वलित कर प्रतिभागियों के साथ प्रतीकात्मक दौड़ में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने आगामी 31 मई को आयोजित होने वाली नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन के शुभंकर 'क्यालु- हिम तेंदुआ' का अनावरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि सीमांत क्षेत्रों में नई ऊर्जा, नए अवसर और नए विश्वास का अभियान है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड के युवाओं में साहस, संकल्प और देश के लिए कुछ बड़ा करने का जज्बा कूट-कूट कर भरा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आज युवाओं के जोश से गूंज रही यह पहल आने वाले समय में नीति घाटी की ऊंचाइयों पर नया इतिहास रचेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महाआयोजन के लिए देश के 27 राज्यों और 2 देशों से 900 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जो युवाओं में इस आयोजन के बढ़ते आकर्षण को दशार्ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में फिट इंडिया मूवमेंट, खेलो इंडिया और राष्ट्रीय खेलों जैसे अभियानों के माध्यम से खेल एवं फिटनेस को जनआंदोलन बनाया जा रहा है। राज्य सरकार भी उत्तराखंड को देश का अग्रणी एडवेंचर स्पोर्ट्स और स्पोर्ट्स टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर सचिव पर्यटन धीराज गर्ब्याल, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर्यटन विकास परिषद नरेंद्र भंडारी सहित अनेक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप रेस में क्लासेन तीसरे स्थान पर

ईशान किशन टॉप-5 में पहुंचे, पर्पल कैप में भुवनेश्वर और रबाडा बराबरी पर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लीग चरण के अंतिम दौर में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस बेहद रोमांचक हो गई है। शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबले के बाद दोनों सूचियों में कई अहम बदलाव देखने को मिले।

फोटोः हि.स.

गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन 638 रनों के साथ अब भी ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष पर बने हुए हैं। उनके साथी और कप्तान शुभमन गिल 616 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने आरसीबी के खिलाफ सिर्फ 24 गेंदों में 51 रनों की तेज पारी खेलकर तीसरे स्थान पर छलांग लगा दी है। क्लासेन के अब 14 पारियों में 606 रन हो गए हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 579 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं, एसआरएच के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने आरसीबी के खिलाफ 46 गेंदों में 79 रन बनाकर टॉप-5 में जगह बना ली है। किशन के अब 569 रन हो गए हैं।

पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा संयुक्त रूप से 24-24 विकेट लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि, बेहतर इकॉनमी रेट (8.07) होने के कारण पर्पल कैप फिलहाल भुवनेश्वर कुमार के पास ही बनी हुई है, जबकि रबाडा की इकॉनमी 9.18 है।

चेन्नई सुपर किंग्स (उरङ) के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज 21 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। गुजरात टाइटंस के स्टार स्पिनर राशिद खान 19 विकेट लेकर चौथे नंबर पर मौजूद हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा ने आरसीबी के खिलाफ 2 विकेट लेकर अपने विकेटों की संख्या 19 तक पहुंचा दी, लेकिन उनकी इकॉनमी 9.27 होने के कारण वह पांचवें स्थान पर हैं।

सुपर चेस क्लासिकः प्रज्ञानानंद का मुकाबला ड्रॉ, खिताब की दौड़ हुई रोमांचक

एजेंसी (हि.स.)
बुखारेस्ट

फोटोः हि.स.

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने जीत के कई मौके गंवाए और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लग्रेव के खिलाफ शुक्रवार को मुकाबला ड्रॉ खेला। इसके साथ ही सुपर चेस क्लासिक टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ अंतिम दौर से पहले बेहद रोमांचक हो गई है। नौवें और अंतिम से पहले राउंड में अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विन्सेंट कीमर के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। वहीं उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए नीदरलैंड्स के जॉर्डन वान फॉरेस्ट को हराया।

डच खिलाड़ियों के लिए यह दिन निराशाजनक रहा, क्योंकि अनिश गिरी को रोमानिया के बोगदान-डेनियल डियाक के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वहीं अमेरिका के वेस्ले सो को फ्रांस के अलीरेजा फिरूजा के टूर्नामेंट से हटने के कारण वॉकओवर मिला। अब अंतिम राउंड से पहले कारुआना और कीमर पांच-पांच अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। सिंदारोव, वेस्ले सो और जॉर्डन वान फॉरेस्ट साढ़े चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा, गिरी और वाचियर-लग्रेव चार-चार अंकों के साथ संयुक्त छठे स्थान पर मौजूद हैं।

प्रज्ञानानंद ने ग्रुनफेल्ड डिफेंस ओपनिंग में सफेद मोहरों से खेलते हुए सातवीं चाल पर नया प्रयोग किया, जो शीर्ष स्तर पर पहले कभी नहीं देखा गया था। शुरूआती मिडिल गेम में भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में थे और लग रहा था कि मुकाबला जल्द उनके पक्ष में समाप्त हो जाएगा। हालांकि कुछ गलतियों के कारण मुकाबला क्वीन और प्यादों के एंडगेम तक पहुंच गया, जहां प्रज्ञानानंद के पास अतिरिक्त प्यादा था। समय के दबाव के बावजूद उन्होंने लगातार संघर्ष जारी रखा। टूर्नामेंट का सबसे लंबा मुकाबला आखिरकार 139 चालों के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

दूसरी ओर, सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंडगेम में अपने नाइट और रूख की मदद से बेहतरीन मात का जाल बिछाकर जीत दर्ज की। टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 3 लाख 75 हजार अमेरिकी डॉलर है, जिसमें विजेता को 1 लाख डॉलर मिलेंगे। यदि शीर्ष पर बराबरी रहती है, तो विजेता तय करने के लिए टाईब्रेक मुकाबले खेले जाएंगे।

मैदान पर विराट को पसंद है कंगारू शैली की आक्रामकताः पठान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल मैच के दौरान विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच मैदान पर हुई तीखी बहस को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि शीर्ष स्तर की क्रिकेट में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस तरह के टकराव स्वाभाविक हैं।

कोहली और हेड के बीच मैदान पर तीखी बहस हुई। कोहली ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को लगातार इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में इस्तेमाल किए जाने का मजाक उड़ाते हुए इशारा किया कि उन्हें मैदान से बाहर रहने के बजाय कुछ गेंदें फेंकनी चाहिए। कोहली जल्द ही 11 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद हेड ने पलटवार करते हुए उन पर कटाक्ष किया। सनराइजर्स की 55 रन की जीत के बाद भी तनाव बना रहा। मैच के बाद हेड ने कोहली से हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय स्टार बल्लेबाज उनकी ओर ध्यान दिए बिना ही आगे बढ़ गया। पठान ने जिओ हॉटस्टार पर कहा, ह्यह्यविराट कोहली को हमेशा से ही मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की तरह आक्रामक शैली में खेलना, थोड़ी सी नोकझोंक, कड़ी प्रतिस्पर्धा तथा पूरे जोश और जज्बे के साथ खेलना पसंद है। उन्होंने कहा, ह्यह्यकोहली और हेड के बीच जो कुछ हुआ, ऐसा बेहद दबाव वाले मैचों में होना स्वाभाविक है। विशेष कर तब जबकि दोनों टीम अंक तालिका में महत्वपूर्ण स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हों। यह शीर्ष स्तर के क्रिकेट की प्रतिस्पर्धात्मक भावना का ही एक हिस्सा था।

प्लेऑफ के अंतिम टिकट के लिए मुंबई से भिड़ेगी राजस्थान रॉयल्स

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

फोटोः हि.स.

राजस्थान रॉयल्स की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले लीग चरण के अपने अंतिम मैच में जीत हासिल करके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है और वह जीत के साथ विदाई लेने के लिए प्रतिबद्ध होगा लेकिन राजस्थान रॉयल्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है जिसमें जीत पर वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली अंतिम टीम बन जाएगी।

इस मैच में संभावित रूप से गर्म और उमस भरे रविवार की दोपहर में दोनों टीमों की सहनशक्ति और फिटनेस की परीक्षा होगी। रॉयल्स फिलहाल 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी, जिससे उसके 16 अंक हो जाएंगे। इससे वह प्लेऑफ के अंतिम स्थान के दो अन्य दावेदार पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स दोनों पर कम से कम एक अंक की बढ़त हासिल कर लेगा। लेकिन अगर रॉयल्स की टीम रविवार को हार जाती है, तो उसे प्ले-ऑफ में पहुंचने के लिए यह उम्मीद करनी होगी कि पंजाब और नाइट राइडर्स दोनों को भी अपने अंतिम मैचों में हार का सामना करना पड़े।

रॉयल्स ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में जीत से ज्यादा हार का सामना किया है लेकिन वे मुंबई के खिलाफ जीत के लिए जीजान लगा देंगे। उसके खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह अवगत हैं। मुंबई इंडियंस के लिए वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से कहीं ज्यादा बड़ा खतरा यशस्वी जायसवाल हैं। स्थानीय खिलाड़ी जायसवाल ने गुवाहाटी में जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ जमकर बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 77 रन बनाए थे। जायसवाल उस मैदान पर वापसी कर रहे हैं जहां उन्होंने तीन साल पहले आईपीएल में अपना पहला शतक लगाया था।

टीम इस प्रकार

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, कृष भगत, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), अमन राव, शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), लुआन-ड्रे प्रिटोरियस (विकेटकीपर), रवि सिंह, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, ब्रिजेश शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, केवेना मफाका, एडम मिल्ने, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, यशराज पुंजा, युद्धवीर सिंह।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

मैच हारकर भी शीर्ष पर रहने के स्कोर पर टिकी थी आरसीबी की नजरः कमिंस

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने शुकवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जीत के बावजूद शीर्ष दो में जगह नहीं बना पाने के बारे में कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) उस स्कोर तक पहुंचने की कोशिश में जुटी थी जिससे वह पहले स्थान पर रहे।

सनराइजर्स हैदराबाद ने 55 रन से जीत हासिल की लेकिन आरसीबी को अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने से नहीं रोक सकी। कमिंस ने कहा, हमने जो स्कोर बनाया, वह काफी शानदार था। मुझे लगा कि लड़कों ने बहुत बढ़िया बल्लेबाजी की और अच्छा प्रदर्शन किया। हर कोई अपनी पूरी फॉर्म में है। शीर्ष दो में जगह नहीं बना पाने के बारे में उन्होंने कहा, मुझे पता था कि बहुत सी चीजें हमारे पक्ष में होनी चाहिए थीं। हम काफी करीब पहुंच गए थे। मुझे लगता है कि वे यह पक्का करने की कोशिश कर रहे थे कि वे उस स्कोर तक पहुंच जाएं जहां से वे शीर्ष पर रह सकें। इसलिए हमने उनके खिलाफ कुछ अलग-अलग रणनीतियां अपनाईं, लेकिन फिर भी यह एक बड़ी जीत है। उन्होंने अपने गेंदबाजों के बारे में कहा, वे बहुत शानदार रहे हैं। ईशान मलिंगा इस समय जबरदस्त फॉर्म में हैं और वे अपनी गेंदबाजी में काफी विविधता ला रहे हैं। साकिब भी अच्छा कर रहे हैं। तो यह किसी भी कप्तान के लिए एक सपने जैसा है। अब सनराइजर्स एलिमिनेटर खेलेगी, इस पर उन्होंने कहा, इसमें अभी भी पांच-छह दिन बाकी हैं। हम कुछ दिनों तक आराम करेंगे, हमें अगले एक-दो दिनों में पता चल जाएगा कि हमारा मुकाबला किससे होगा।

दर्पण विशेष

COMMONWEALTH DAY 24 MAY

वैश्विक एकता, विविधता और साझा समृद्धि का उत्सव

एकीकरण और वैश्वीकरण के इस आधुनिक युग में, जब संपूर्ण विश्व विभिन्न भौगोलिक, राजनीतिक और आर्थिक सीमाओं में बंटा हुआ है, 'राष्ट्रमंडल' एक ऐसा विशिष्ट मंच बनकर उभरता है जो औपनिवेशिक अतीत की कड़वाहट को भुलाकर स्वैच्छिक सहयोग और समानता के सिद्धांत पर काम करता है। राष्ट्रमंडल दिवस केवल एक वार्षिक औपचारिकता या उत्सव नहीं है, बल्कि यह दुनिया के 56 स्वतंत्र और संप्रभु देशों का एक ऐसा अनूठा समागम है, जहां सांस्कृतिक विविधता, लोकतांत्रिक मूल्य और सामूहिक प्रगति के संकल्प का समन्वय देखने को मिलता है। वैश्विक जनसंख्या का लगभग एक-तिहाई हिस्सा, यानी लगभग 2.5 अरब लोग इस संगठन का हिस्सा हैं, जिनमें सबसे बड़ी आबादी युवाओं की है। ऐसे में समकालीन वैश्विक परिदृश्य में राष्ट्रमंडल दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिन इस बात का प्रतीक है कि इतिहास के मंच पर कभी शासक और शासित रहे देश आज एक ही मेज पर बैठकर वैश्विक चुनौतियों—जैसे जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता और मानवाधिकारों की रक्षा—पर एक समान आवाज में चर्चा कर सकते हैं। यह लेख राष्ट्रमंडल दिवस के ऐतिहासिक विकास, इसके नामकरण के पीछे की कहानी, इसके उद्देश्यों, आंतरिक संरचना और समकालीन विश्व में इसकी प्रासंगिकता का एक विस्तृत और गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः 'एम्पायर डे' से 'राष्ट्रमंडल दिवस' तक का सफर

राष्ट्रमंडल दिवस का इतिहास आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े औपनिवेशिक साम्राज्यों में से एक–ब्रिटिश साम्राज्य–के उत्थान और क्रमिक रूपांतरण से जुड़ा हुआ है। इस दिन की शुरूआत को समझने के लिए हमें 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरूआत के इतिहास में जाना होगा। राष्ट्रमंडल दिवस का मूल स्वरूप वर्ष 1902 में 'एम्पायर डे' के रूप में सामने आया था। इसका विचार सर्वप्रथम 1890 के दशक में कनाडा की एक देशभक्त महिला क्लेमेंटिना ट्रैनहोल्म द्वारा दिया गया था, जो चाहती थीं कि स्कूली बच्चों को ब्रिटिश साम्राज्य के इतिहास और उसकी शक्ति के प्रति जागरूक किया जाए। बाद में, लॉर्ड मीथ ने इस विचार को पूरे ब्रिटिश साम्राज्य में फैलाया। एम्पायर डे के लिए 24 मई की तारीख चूनी गई, जो ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया का जन्मदिवस था। महारानी विक्टोरिया के शासनकाल में ही ब्रिटिश साम्राज्य का सबसे अधिक विस्तार हुआ था, इसलिए उन्हें इस साम्राज्य के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। 1916 में इसे आधिकारिक तौर पर पूरे साम्राज्य में मान्यता मिली। उस समय इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य साम्राज्य के प्रति निष्ठा प्रदर्शित करना और यह संदेश देना था कि ब्रिटिश साम्राज्य में कभी सूर्य अस्त नहीं होता। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, वैश्विक राजनीति में भारी बदलाव आया। भारत सहित एशिया और अफ्रीका के तमाम देश एक-एक करके स्वतंत्र होने लगे। इसके साथ ही पुराने 'एम्पायर डे' की प्रासंगिकता और उसकी औपनिवेशिक मानसिकता पर सवाल उठने लगे। अब स्वतंत्र राष्ट्र किसी औपनिवेशिक साम्राज्य के उत्सव का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे। इस वैचारिक परिवर्तन को भांपते हुए, वर्ष 1958 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री हेरोल्ड मैकमिलन ने ब्रिटिश संसद में एक ऐतिहासिक घोषणा की। उन्होंने 'एम्पायर डे' का नाम बदलकर 'राष्ट्रमंडल दिवस' करने का प्रस्ताव रखा। यह केवल नाम का बदलाव नहीं था, बल्कि यह इस बात की स्वीकृति थी कि अब यह संगठन देशों पर जबरन थोपा गया साम्राज्य नहीं, बल्कि स्वतंत्र राष्ट्रों का एक स्वैच्छिक संघ है। वर्ष 1973 में, 'रॉयल कॉमनवेल्थ सोसाइटी' ने प्रस्ताव दिया कि इस दिन को महारानी विक्टोरिया के जन्मदिन (24 मई) से अलग करके एक ऐसी तारीख पर मनाया जाना चाहिए, जिसका कोई औपनिवेशिक जुड़ाव न हो और जब दुनिया भर के स्कूलों में बच्चे उपस्थित रह सकें। तदनुसार, राष्ट्रमंडल सचिवालय ने निर्णय लिया कि मार्च महीने के दूसरे सोमवार को आधिकारिक राष्ट्रमंडल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। वर्ष 1977 में पहली बार नए कैलेंडर के अनुसार मार्च के दूसरे सोमवार को यह दिवस मनाया गया, जो आज भी अधिकांश वैश्विक सदस्य देशों में जारी है। हालांकि, भारत और बेलीज जैसे कुछ देश ऐतिहासिक निरंतरता के कारण आज भी 24 मई को ही इस दिवस को प्रतीकात्मक रूप से रेखांकित करते हैं।

राष्ट्रमंडल संगठन का ढांचा और भारत की ऐतिहासिक भूमिका

राष्ट्रमंडल की आधुनिक संरचना को समझे बिना राष्ट्रमंडल दिवस के महत्व को नहीं समझा जा सकता। इस संगठन का स्वरूप आधुनिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सबसे अनोखा है। आधुनिक राष्ट्रमंडल की नींव अप्रैल 1949 के 'लंदन घोषणापत्र' से पड़ी। इससे पहले तक इस संगठन के सदस्यों के लिए ब्रिटिश क्राउन (राजशाही) के प्रति निष्ठा रखना अनिवार्य था। लेकिन जब भारत स्वतंत्र हुआ और उसने स्वयं को एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करने का निर्णय लिया, तो एक संवैधानिक संकट खड़ा हो गया। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने स्पष्ट किया कि भारत राष्ट्रमंडल का हिस्सा तभी रह सकता है जब उसकी पूर्ण संप्रभुता और गणतांत्रिक स्वरूप से कोई समझौता न हो। नेहरू की इस दूरदर्शी सोच के कारण लंदन घोषणापत्र में बदलाव किया गया। यह तय हुआ कि कोई भी देश गणराज्य रहते हुए भी इस संगठन का सदस्य बन सकता है और ब्रिटिश सम्राट को केवल 'राष्ट्रमंडल के प्रतीकात्मक प्रमुख' के रूप में मान्यता दी जाएगी, न कि उस देश के शासक के रूप में। इस ऐतिहासिक निर्णय ने राष्ट्रमंडल का चरित्र पूरी तरह बदल दिया और इसे एक आधुनिक, बहुपक्षीय मंच बना दिया। आज राष्ट्रमंडल में दुनिया के 56 देश शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस संगठन में केवल वही देश शामिल नहीं हैं जो कभी ब्रिटिश उपनिवेश थे; हाल के वर्षों में मोजाम्बिक, रवांडा, गैबॉन और टोगो जैसे देश भी इसके सदस्य बने हैं, जिनका ब्रिटिश इतिहास से कोई सीधा संबंध नहीं रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि यह संगठन आर्थिक, राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग के एक प्रभावी मंच के रूप में अपनी वैश्विक साख बना चुका है।

वर्ष 2026 की थीम

प्रत्येक वर्ष राष्ट्रमंडल सचिवालय द्वारा इस दिवस के लिए एक विशिष्ट थीम (विषय) का निर्धारण किया जाता है, जो अगले एक वर्ष के लिए संगठन की प्राथमिकताओं और कार्ययोजना को दिशा देती है। वर्ष 2026 के राष्ट्रमंडल दिवस की आधिकारिक थीम 'साझा समृद्धि के लिए मिलकर अवसरों को खोलना' रखी गई है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और तकनीकी बदलावों के इस दौर में 56 सदस्य देशों को एक परिवार के रूप में मिलकर काम करना होगा। यह थीम मुख्य रूप से तीन बड़े महत्वपूर्ण स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ आर्थिक और लोकतांत्रिक लचीलेपन की बात करता है, जिसके तहत छोटे द्वीपीय देशों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक व्यापारिक मंचों पर समान अवसर प्रदान करना और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करना शामिल है। दूसरा स्तंभ युवा और डिजिटल उद्यमिता पर केंद्रित है। चूंकि राष्ट्रमंडल की साठ प्रतिशत आबादी तीस वर्ष से कम आयु की है, इसलिए इस युवा शक्ति को भविष्य के रोजगार के लिए तैयार करना और डिजिटल तकनीकों व एआई के युग में कौशल विकास को बढ़ावा देना बेहद जरूरी हो गया है। तीसरा स्तंभ पर्यावरणीय और जलवायु लचीलेपन से जुड़ा है। राष्ट्रमंडल के कई छोटे द्वीप देश, विशेषकर प्रशांत महासागर के देश, जलवायु परिवर्तन के कारण अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं, और उनके लिए वित्तीय सहायता व सतत विकास के अवसरों को अनलॉक करना इस संगठन की बड़ी प्राथमिकता है। राष्ट्रमंडल के महासचिव ने इस वर्ष अपने संदेश में स्पष्ट किया है कि समृद्धि का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

राष्ट्रमंडल चार्टरः साझा मूल्यों का घोषणापत्र

राष्ट्रमंडल दिवस केवल उत्सव मनाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह उन मूल्यों को दोहराने का दिन है जो इस संगठन को बांधकर रखते हैं। इन मूल्यों को 'राष्ट्रमंडल चार्टर' में संकलित किया गया है, जिस पर वर्ष 2012 में हस्ताक्षर किए गए थे। यह चार्टर संगठन के मार्गदर्शक सिद्धांतों का निर्धारण करता है। इसके अंतर्गत लोकतंत्र और मानवाधिकारों को सर्वोपरि रखा गया है, जिसके तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, कानून का शासन और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक सदस्य देश का प्राथमिक कर्तव्य है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षवाद पर जोर दिया जाता है। चार्टर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और एक स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया की उपस्थिति को भी रेखांकित किया गया है जो किसी भी जीवंत लोकतंत्र की रीढ़ होती है। लैंगिक समानता को एक अन्य महत्वपूर्ण मूल्य माना गया है क्योंकि महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण के बिना किसी भी समाज की प्रगति अधूरी है। अंत में, सुशासन और सतत विकास के तहत भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने और आर्थिक विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाने का संकल्प लिया गया है। अक्सर वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा यह सवाल उठाया जाता है कि संयुक्त राष्ट्र (UN), जी-20 (G20) और ब्रिक्स (BRICS) जैसे शक्तिशाली संगठनों की उपस्थिति में क्या राष्ट्रमंडल की कोई वास्तविक प्रासंगिकता बची है? इसका उत्तर राष्ट्रमंडल की विशिष्ट कार्यप्रणाली और इसकी सॉफ्ट पावर में छिपा है। संयुक्त राष्ट्र जैसे बड़े संगठनों में अक्सर महाशक्तियों के बीच का टकराव छोटे देशों की समस्याओं को दबा देता है। इसके विपरीत, राष्ट्रमंडल के छप्पन सदस्यों में से तैंतीस देश 'छोटे राज्य' हैं, जिनमें कई छोटे द्वीपीय देश भी शामिल हैं। राष्ट्रमंडल इन देशों को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां उनकी आवाज को पूरी गंभीरता से सुना जाता है। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर राष्ट्रमंडल ने इन देशों के वित्तीय दावों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाया है। ब्रिटिश इतिहास से जुड़े होने के कारण राष्ट्रमंडल देशों के बीच एक बहुत बड़ी समानता है–उनकी कानूनी प्रणाली (कॉमन लॉ), प्रशासनिक ढांचा और शिक्षा पद्धति। यह समानता इन देशों के बीच व्यापार, निवेश और कूटनीतिक समझौतों को बहुत आसान बना देती है। शोध बताते हैं कि राष्ट्रमंडल देशों के बीच व्यापार करने की लागत अन्य देशों की तुलना में औसतन इक्कीस प्रतिशत कम होती है, जिसे 'कॉमनवेल्थ इफेक्ट' कहा जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रमंडल देशों के नागरिकों को आपस में जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम 'राष्ट्रमंडल खेल' हैं, जो ओलंपिक के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खेल आयोजन है और युवाओं के बीच आपसी सद्भाव का माध्यम बनता है।

संगठन के समक्ष आधुनिक चुनौतियां और आलोचनाएं

सकारात्मक पक्षों के बावजूद, राष्ट्रमंडल संगठन अपनी कुछ कमियों और ऐतिहासिक विरासतों के कारण आलोचनाओं के घेरे में भी रहता है। अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए संगठन को इन चुनौतियों से पार पाना होगा। संगठन की सबसे बड़ी आलोचना यह है कि यह आज भी अप्रत्यक्ष रूप से ब्रिटिश औपनिवेशिक इतिहास की याद दिलाता है। कई देशों में यह मांग उठती रही है कि उन्हें इस संगठन से पूरी तरह अलग हो जाना चाहिए क्योंकि यह अतीत की गुलामी का एक प्रतीकात्मक अवशेष है। कैरेबियाई देशों, जैसे बारबाडोस और जमैका, द्वारा ब्रिटिश राजशाही को अपने देश के प्रमुख पद से हटाने का निर्णय इसी असंतोष को दशार्ता है। संगठन के भीतर आर्थिक विषमता भी बहुत अधिक है। एक तरफ ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसी उन्नत और समृद्ध अर्थव्यवस्थाएं हैं, तो दूसरी तरफ अफ्रीका और एशिया के अत्यंत गरीब व विकासशील देश हैं। कई बार यह आरोप लगता है कि धनी देश इस मंच का उपयोग अपने कूटनीतिक हितों को साधने के लिए करते हैं, जबकि गरीब देशों की वास्तविक आर्थिक समस्याओं पर ठोस कार्रवाई नहीं होती। इसके अतिरिक्त, यद्यपि राष्ट्रमंडल चार्टर लोकतंत्र और मानवाधिकारों की बात करता है, लेकिन संगठन के पास अपने ही सदस्यों द्वारा इन नियमों का उल्लंघन किए जाने पर कोई दंडात्मक शक्ति नहीं है। अतीत में पाकिस्तान, फिजी और जिम्बाब्वे जैसे देशों को लोकतांत्रिक नियमों की अनदेखी पर निलंबित तो किया गया, लेकिन मानवाधिकारों के हनन के कई मामलों में संगठन मूकदर्शक बना रहता है, जिससे इसकी वैश्विक साख प्रभावित होती है। भारत के दृष्टिकोण से राष्ट्रमंडल का विशेष महत्व रहा है। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक भारत ने इस संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत राष्ट्रमंडल का सबसे बड़ा सदस्य देश है और संगठन की कुल आबादी का लगभग आधा हिस्सा अकेले भारत में रहता है, जिसके कारण नीति-निर्धारण में भारत की आवाज बेहद वजनदार होती है। भारत इस मंच का उपयोग अफ्रीका, कैरेबियन और प्रशांत महासागर के छोटे विकासशील देशों के साथ अपने आर्थिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने के लिए करता है। भारत इन देशों को आईटी, शिक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर रहा है। इसके साथ ही, राष्ट्रमंडल भारत को एक ऐसा मंच देता है जहां वह बिना किसी बड़े भू-राजनीतिक तनाव के पचपन अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ कर सकता है।

पंचकूला में व्यापक विशेष स्वच्छता अभियान के तहत सेक्टर-20 से कुंडी तक की सफाई

जनभागीदारी से ही बनेगा स्वच्छ और सुंदर पंचकूला: विनय कुमार

- आयुक्त विनय कुमार के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों की संयुक्त भागीदारी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं कचरा-मुक्त बनाने के संकल्प को और अधिक मजबूती देते हुए नगर निगम पंचकूला द्वारा आज एक व्यापक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान सेक्टर-20 स्थित शमशान घाट से आरंभ होकर गांव कुंडी तक संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य लंबे समय से प्रभावित इस पूरे क्षेत्र को कचरा, मलबे एवं अवैध डंपिंग से मुक्त कर स्वच्छ एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करना था।

अभियान की गंभीरता एवं महत्व को देखते हुए नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार के नेतृत्व में नगर निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। संयुक्त आयुक्त श्री गौरव चौहान एवं श्रीमती सिमरनजीत कौर, पार्षद प्रियंका सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर सफाई कार्यों की सतत निगरानी की, संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा अभियान में सहयोग कर रही सामाजिक संस्थाओं एवं सफाई कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया।

नगर निगम पंचकूला द्वारा पिछले कुछ समय से शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु निरंतर अभियानात्मक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। निगम के अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में जाकर सफाई व्यवस्था, कचरा उठान, सड़क सफाई, नालों की सफाई एवं अवैध डंपिंग की स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं। हालांकि प्रशासनिक प्रयासों के बावजूद नागरिक सहभागिता अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। इसी दिशा में आयुक्त श्री विनय कुमार द्वारा सामाजिक संगठनों, गैर-सरकारी संस्थाओं एवं रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर जनसहभागिता को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

आयुक्त विनय कुमार ने बताया कि सेक्टर-20 शमशान घाट के आसपास अवैध रूप से कचरा फेंके जाने की समस्या काफी समय से बनी हुई थी। यह क्षेत्र अंतरराज्यीय सीमा के निकट होने के कारण पंजाब क्षेत्र से भी अवैध डंपिंग की शिकायतों से प्रभावित रहा है। साथ ही इस क्षेत्र में नगर निगम, एचएसवीपी एवं अन्य विभागों की सहभागिता होने के कारण समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अब नगर निगम द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

इस विशेष अभियान में नगर निगम के आह्वान पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। जन शिक्षण संस्थान के अतिरिक्त आशमान फाउंडेशन, निपुण फाउंडेशन एवं मेहशान फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने भी अभियान में उत्साहपूर्वक सहयोग किया तथा स्वच्छता के प्रति सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

भीषण गर्मी के बीच जन शिक्षण संस्थान द्वारा सफाई कर्मचारियों एवं निगम कर्मचारियों के लिए ठंडे पेयजल एवं जलपान की व्यवस्था कर एक सराहनीय एवं मानवीय पहल प्रस्तुत की गई। संस्था के इस सेवा भाव की अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विशेष सराहना की गई।

आईएसबी और एमईआईटीवाई ने 2026 में क्षेत्र-विशेषज्ञों को शामिल किया

- कहा, कार्यक्रम का उद्देश्य समावेशी एआई के माध्यम से विकसित भारत की दिशा तय करना

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) मोहाली के भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक असिस्टेंट (बीआईपीपी) ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री (एमईआईटीवाई) के सहयोग से आज आईएसबी के कैंपस में अभिनव एआई का आयोजन किया।

गौरतलब है कि इस शिखर सम्मेलन के चौथे संस्करण का उद्घाटन मुख्य भाषण हुआ, जो एस. कृष्णन, आईएएस, सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिया गया। उन्होंने एक ऐसा एआई प्रवचन तंत्र के निर्माण के प्रति सरकार की आवृत्ति संवाद की, जो हर नागरिक की सेवा करे - उन लोगों की, जो डिजिटल अर्थव्यवस्था के हाशिये पर हैं। अपने मुख्य भाषण में उन्होंने कहा कि कृत्रिम भारत को कौशल बढ़ाने, शासन को बेहतर बनाने और स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, उद्योग और वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्र में विस्तार का एक परिवर्तनकारी अवसर प्रदान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि एआई के सहयोग और सहयोग पर प्रभाव को लेकर चिंताएं स्वाभाविक हैं, भारत में इस प्रौद्योगिकी को समावेशी विकास के उपयोग में लाने की अनोखी स्थिति है। श्री कृष्ण ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे भारत अपना एआई तंत्र तंत्र विकसित करता है, यह आवश्यक है कि ऐसे मॉडल तैयार करें जो सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को पहचानें, साथ ही महत्वपूर्ण तकनीकी सुरक्षा उपायों पर प्रमाणित और राष्ट्रीय नियंत्रण सुरक्षा हो।

प्रोफेसर अश्विनी छत्रे, कार्यकारी निदेशक, भारती इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंश्योरेंस, आईएसबी, ने एआई के सिद्धांतों को क्रियान्वित करने के लिए उचित शासन व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई को एक आदर्श राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए, जो आने वाली भूमि के भविष्य को आकार देगा। वे एआई परिदृश्य के प्रमुख आयामों के रूप में उभरे, तकनीकी चुनौती, उपयोग के अवसर और रोजगार के भविष्य की रूपरेखा। प्रो. छत्रे ने यह भी बल दिया कि सुरक्षा उपाय, सामाजिक सुरक्षा तंत्र और सकारात्मक कार्रवाई के माध्यम से एआई के अवसरों तक पहुंच समतापूर्ण बनी रहनी चाहिए।

पंचकूला में पैक्स प्रबंधकों को मिला पतंजलि कैटल फीड बिजनेस का प्रशिक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

जिला केंद्रीय सहकारी बैंक पंचकूला में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) द्वारा पतंजलि कैटल फीड बिजनेस को बढ़ावा देने हेतु एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पैक्स प्रबंधकों को कैटल फीड वितरण से संबंधित जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें नए व्यावसायिक अवसरों से जोड़ना था।

कार्यक्रम में डॉ. प्रफुल्ल रंजन, प्रबंध निदेशक, हारको बैंक ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने सीएससी, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक एवं पतंजलि की संयुक्त पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ सहकारी व्यवस्था को मजबूत करने तथा पैक्स को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

इस अवसर पर श्री यशवीर सिंह, महाप्रबंधक, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक पंचकूला द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं पैक्स प्रबंधकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पैक्स के उत्थान एवं व्यवसाय विविधीकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं तथा सीएससी के माध्यम से पतंजलि कैटल फीड बिजनेस को अपनाकर पैक्स अतिरिक्त आय अर्जित कर आर्थिक रूप से और अधिक सुदृढ़ हो सकती हैं।

कार्यक्रम में श्रीमती उर्वशी गुप्ता, महाप्रबंधक हरको बैंक तथा श्रीमती सुधा शर्मा, उप महाप्रबंधक हरको बैंक विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

ऋषि पवार, महाप्रबंधक, पतंजलि ग्राम उद्योग न्यास द्वारा पतंजलि कैटल फीड पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें उत्पाद की गुणवत्ता, पोषण लाभ एवं इसके व्यावसायिक मॉडल की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समन्वय श्री मोहित शर्मा, राज्य प्रबंधक, सीएससी तथा श्री संजीव, जिला प्रबंधक, सीएससी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि सीएससी, पतंजलि एवं पैक्स के मध्य एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर सकता है तथा ग्रामीण स्तर पर इस व्यवसाय को सफल बनाने में सहयोग देगा।

केवल सत्संग ही आत्मिक शांति, प्रेम और आपसी सद्भाव का माध्यम

सिटी दर्पण संवाददाता
मनीमाजरा

सत्संग ही एक ऐसा माध्यम है जहां मनुष्य को आत्मिक शांति, प्रेम और आपसी सद्भाव का अनुभव होता है। यहां सभी एक-दूसरे से निष्काम प्रेम करते हैं तथा विनम्रता और सेवा की भावना को अपनाते हैं, यहां आकर जो व्यक्ति अहंकार से दूर रहकर स्वयं को परमात्मा की कृपा का पात्र मानता है वह सच्चे अर्थों में जीवन का आनंद प्राप्त करता है। मौलीजागरां में स्थित सन्त निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित विशाल सन्त समागम में लुधियाना से आए केन्द्रीय योजना एवं सलाहकार बोर्ड के वाईस चेयरमैन श्री एच. एस. चावला जी ने हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहे।

मानव जीवन में सफलता, खुशहाली एवं सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री चावला जी ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना अत्यंत आवश्यक है। जब मनुष्य अपने उद्देश्य को स्पष्ट कर लेता है और उसे पाने के लिए निरंतर मेहनत करता है, तभी वह अपने जीवन को सार्थक बना सकता है। उन्होंने कहा कि केवल मेहनत ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि सकारात्मक सोच भी सफलता की कुंजी है। सकारात्मक विचार मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

चावला ने सेवा एवं परोपकार की भावना को मानव जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि जब हम दूसरों की सहायता करते हैं तो हमें आत्मिक संतुष्टि एवं वास्तविक खुशी प्राप्त होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में मानवता, प्रेम और भाईचारे को अपनाना चाहिए।

संक्षिप्त-समाचार

भाजपा महिला मोर्चा चंडीगढ़ की नई प्रदेश अध्यक्ष बनीं सोनम वर्मा

चंडीगढ़। चण्डीगढ़ भाजपा संगठन में अहम नियुक्ति करते हुए महिला मोर्चा की कमान सोनम वर्मा को सौंपी गई है। भाजपा, चण्डीगढ़ के प्रदेश महामंत्री संजीव कुमार राणा द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा की सहमति से सोनम वर्मा को भाजपा महिला मोर्चा, चंडीगढ़ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जारी पत्र में कहा गया है कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि सोनम वर्मा के नेतृत्व में महिला मोर्चा संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा महिलाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा।

25 मई को गुरु रविदास डायग्नोस्टिक लेबोरेट्री होगी शुरू

पंचकूला। अमर शहीद रामानंद महाराज के 17वें शहीदी दिवस पर 25 मई को गुरु रविदास डायग्नोस्टिक लेबोरेट्री का शुभारंभ किया जाएगा। इसके अलावा मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। इसमें स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक भी सेवाएं देंगे। गुरु रविदास भवन सेक्टर 15 पंचकूला में आरम्भ की जाने वाली लेबोरेट्री और स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन विभाग डॉ. राजा शेखर वुंडरु करेंगे। गुरु रविदास सभा के महासचिव जयबीर रंगा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व चीफ इंजीनियर सरदार हरपाल सिंह करेंगे। सभा द्वारा नागरिकों के लिये डायग्नोस्टिक लेबोरेट्री शुरू करने का निर्णय लिया है। इसमें चिकित्सक और अन्य स्टाफ की नियुक्ति और आधुनिक स्तर की मशीनें स्थापित की गई है। इसमें हर प्रकार के ब्लड एवं पेशाब के नमूनों की जांच की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा एमआरआई मशीन भी लगाई गई है जिससे एमआरआई भी की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सभा की गुरु रविदास भवन में अल्ट्रासाउंड और अन्य मशीनें भी लगाने की भी योजना है ताकि लोगों को अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ करवाई जा सके। इस अवसर पर छबील लगाई जाएगी और गुरु का अटूट लंगर भी बरताया जाएगा। रिटायर्ड डी जी हेल्थ सर्विस डॉ डीपी लोचन, डॉ संध्या रिटायर्ड सीएमओ इंडियन आर्मी, डॉ एस पी राठी साइकोलॉजिस्ट, डॉ रिदम सहित कई चिकित्सक शिविर में सेवाएं देंगे।

चंडीगढ़ के मास्टर प्लान-2031 का प्रॉपर्टी कंसल्टेंट एसो. चंडीगढ़ ने किया स्वागत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ शहर में बढ़ती हाउसिंग मांग का समाधान वर्टिकल ग्रोथ यानी पूरे शहर में 1 एक कनाल तक के मकानों में अपार्टमेंट एक्ट लागू करना ही है। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट विक्रम चोपड़ा ने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार चंडीगढ़ की आबादी करीब 10.55 लाख थी, जबकि हालिया प्रोजेक्शन्स के अनुसार 2025-26 में यह बढ़कर लगभग 12.5 से 12.6 लाख तक पहुंच चुकी है। यानी करीब 2 लाख लोगों की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन इस दौरान कोई नया बड़ा हाउसिंग प्रोजेक्ट सामने नहीं आया और हाल ही में इस मांग का मेमोरंडम प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को भी मिल कर दिया गया था। प्रॉपर्टी कंसलटेंट एसोसिएशन चंडीगढ़ की जनरल बाडी मीटिंग में चंडीगढ़ के मास्टर प्लान-2031 का स्वागत किया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शहर में इमारतों की ऊंचाई बढ़ाने यानी वर्टिकल ग्रोथ का समर्थन करते हुए पूरे शहर में अपार्टमेंट एक्ट लागू करने की मांग उठाई। प्रतिनिधियों ने कहा कि पिछले करीब 10 वर्षों में चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड कोई नई हाउसिंग स्कीम नहीं ला पाया है। ऐसे में शहर में आवास की मांग लगातार बढ़ती जा रही है, जिसे अपार्टमेंट एक्ट लागू करके ही काफी हद तक पूरा किया जा सकता है। पदाधिकारियों ने कहा कि मास्टर प्लान-2031 चंडीगढ़ के विकास और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

अवैध पीजी चलाने के मामले में पुलिस ने मामला किया दर्ज

चंडीगढ़। शहर में रिहायशी मकानों के व्यावसायिक इस्तेमाल का एक और मामला सामने आया है। सेक्टर-23 स्थित एक मकान को निजी उपयोग के लिए किराये पर लेने के बाद बिना अनुमति वहां पीजी (पेइंग गेस्ट) चलाने का आरोप लगा है। शिकायत मिलने पर सेक्टर-17 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-40ए निवासी पंकज गर्ग ने बताया कि उन्होंने सेक्टर-23डी स्थित अपना मकान रहने के उद्देश्य से किराये पर दिया था। आरोप है कि किरायेदार प्रदीप कुमार और अन्य लोगों ने मकान का उपयोग तय शर्तों के विपरीत व्यावसायिक गतिविधियों के लिए करना शुरू कर दिया और वहां अवैध रूप से पीजी सुविधा संचालित की जाने लगी। शिकायतकर्ता के अनुसार इस संबंध में न तो मकान मालिक से अनुमति ली गई और न ही पीजी संचालन के लिए जरूरी सरकारी मंजूरियां और नियमों का पालन किया गया।

ग्राहकों को आसान बैंकिंग और ऋण सुविधाओं से जोड़ने के लिए मेगा कैंप आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा शनिवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) मुख्यालय, चंडीगढ़ में मेगा रिटेल क्रेडिट आउटरीच कैंप का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व डीपी खुराना, कॉर्पोरेट जनरल मैनेजर ने किया। उनके साथ एसके सिंह, आंचलिक प्रमुख चंडीगढ़ तथा राम कुमार यादव, क्षेत्रीय प्रमुख चंडीगढ़ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंचकूला के मेयर श्याम लाल बंसल उपस्थित रहे। साथ ही शिवालिक डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन ओम प्रकाश ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कैंप के दौरान ग्राहकों को होम लोन, कार लोन, एजुकेशन लोन, पर्सनल लोन, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं, बीमा उत्पादों और विभिन्न सरकारी प्रायोजित ऋण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बैंक अधिकारियों ने लोगों को डिजिटल बैंकिंग और सुरक्षित वित्तीय सेवाओं से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया।

मेयर श्याम लाल बंसल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बैंकिंग और बीमा से जुड़ी योजनाओं के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। डीपी खुराना ने बीमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बैंक की उपलब्धियों और प्रदर्शन की जानकारी साझा की। वहीं एसके सिंह ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, उद्यम पोर्टल, सीकेवाईसी और डीईएएफ खातों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। राम कुमार यादव ने बैंक की डिजिटल मोबाइल बैंकिंग ऐप 'सेंट ईज' के माध्यम से उपलब्ध बैंकिंग और बीमा सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन ग्राहकों के साथ संवाद, व्यावसायिक संभावनाओं पर चर्चा और प्रतिभागियों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ। आयोजन के दौरान वित्तीय जागरूकता और डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

वार्ड नंबर 6 में जल्द खुलेगा मोहल्ला क्लिनिक: डॉ. बलबीर सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

मोहाली नगर निगम चुनाव 2026 को लेकर वार्ड नंबर 6 में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार, आप पंजाब के जनरल सचिव एवं पंजाब जल सप्लाई और सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया द्वारा चुनाव प्रचार लगातार तेज किया जा रहा है। वार्डवासियों के साथ हो रही चुनावी बैठकों और डोर-टू-डोर संपर्क अभियान के दौरान लोगों द्वारा उन्हें भरपूर समर्थन और प्यार मिल रहा है।

इसी कड़ी के तहत बीते दिन पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने वार्ड नंबर 6 पहुंचकर क्षेत्रवासियों से बातचीत की और डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। इस अवसर पर वार्ड वासियों द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं, सफाई, सुरक्षा और क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। इस मौके पर पूर्व विधायक एवं आप पंजाब के एससी विंग के प्रदेश अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह जीपी भी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वार्ड नंबर 6 के निवासियों द्वारा मोहल्ला क्लिनिक खोलने की मांग उनके ध्यान में लाई गई है।

आयोजन

बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों से जीवंत हुआ सभागार

'किलकारी' में नन्हे कलाकारों ने बिखेरे प्रतिभा और उल्लास के रंग

- मानव मंगल स्मार्ट स्कूल के वार्षिक समारोह 'किलकारी' में गूंजा बचपन का उल्लास, भांगड़ा, देशभक्ति और मासूमियत ने बांधा समां

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मानव मंगल स्मार्ट स्कूल, सेक्टर-64 का सभागार उस समय उल्लास, रंगों और मासूम मुस्कानों से सराबोर हो उठा, जब पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों ने वार्षिक सांस्कृतिक समारोह 'किलकारी' में अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। पूरा वातावरण ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो बचपन अपनी पूरी निश्छलता और ऊर्जा के साथ मंच पर उतर आया हो। कार्यक्रम की शुरूआत होते ही झिलमिलाती रोशनियों, मधुर संगीत और नन्हे कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने जब आत्मविश्वास के साथ मंच संभाला, तो सभागार तालियों की गूंज से बार-बार भर उठा। किसी प्रस्तुति में उमंग और उत्साह दिखाई दिया, तो कहीं भावनाओं और कल्पनाओं की सुंदर अभिव्यक्ति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

नन्हें विद्यार्थियों की मासूम अदाओं, सहज अभिनय और लयबद्ध नृत्य ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। ऐसा लग रहा था मानो हर प्रस्तुति बचपन की सुंदरता, सपनों और रचनात्मकता की एक नई कहानी कह रही हो। बच्चों के आत्मविश्वास और ऊर्जा ने अभिभावकों और शिक्षकों को गर्व से भर दिया। विशेष बात यह रही कि पहली और दूसरी कक्षा के सभी सेक्शनों के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। प्रत्येक बच्चे ने अपनी प्रतिभा और अभिव्यक्ति से मंच को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पहली 'ई' और पहली 'बी' कक्षा के विद्यार्थियों की आकर्षक प्रेयर डांस प्रस्तुति से हुआ। सूफी संगीत की मधुर धुनों पर नन्हे बच्चों ने प्रेम, सौहार्द और शांति का भावपूर्ण संदेश प्रस्तुत किया। उनकी मनमोहक अभिव्यक्तियों और लयबद्ध प्रस्तुति ने पूरे सभागार को भावनाओं और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। पहली 'ए' और पहली 'डी' कक्षा के नन्हे कलाकारों ने भाई-बहन के अटूट प्रेम पर आधारित प्रस्तुति के माध्यम से रिश्तों की मासूमियत और भावनात्मक गहराई को बेहद मार्मिक अंदाज में मंच पर जीवंत कर दिया। उनकी भावपूर्ण अदायगी ने दर्शकों के दिलों को छू लिया।

स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली का प्रेरक संदेश देते हुए पहली 'एफ' और पहली 'सी' कक्षा के विद्यार्थियों ने 'फिटनेस शो' में ऊर्जा और उत्साह से भरपूर प्रस्तुति दी। संगीत की दमदार धुनों पर बच्चों के शानदार तालमेल, फुर्तीले अभ्यास और आत्मविश्वास से भरे अंदाज ने मंच को जोश और जीवंतता से भर दिया। समय की अहमियत और जीवन की सच्चाइयों को बेहद प्रभावशाली अंदाज में प्रस्तुत करते हुए सेकेंड 'बी' और सेकेंड 'ई' कक्षा के विद्यार्थियों ने 'वक्त' शीर्षक से शानदार प्रस्तुति दी। नन्हे कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण अदायगी के माध्यम से दर्शाया कि इंसान अक्सर अपने सपनों और जरूरी कार्यों को 'कल' के भरोसे छोड़ देता है, जबकि समय लगातार आगे बढ़ता रहता है। प्रस्तुति ने दर्शकों को हर पल की कीमत समझने का प्रेरणादायक संदेश दिया।

समारोह का सबसे उल्लासपूर्ण और जीवंत दृश्य उस समय देखने को मिला, जब सेकेंड 'डी' और सेकेंड 'ए' कक्षा के विद्यार्थियों ने 'जश्न-ए-भंगड़ा' की शानदार प्रस्तुति से मंच को पंजाबी लोकसंस्कृति के रंगों से सराबोर कर दिया। ढोल की गूंजती थाप और बच्चों के जोशपूर्ण नृत्य ने पूरे सभागार में ऊर्जा, उमंग और उत्सव का माहौल बना दिया। वहीं, सेकेंड 'सी' और सेकेंड 'एफ' कक्षा के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति देकर समारोह को भावनात्मक और गौरवपूर्ण आयाम प्रदान किया।

विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु सरकारी विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक बैठकें आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

विद्यार्थियों के समग्र विकास के उद्देश्य से अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु सरकारी विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक बैठकें (पीटीएम) सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। बैठकों में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार एवं समग्र विकास से संबंधित विषयों पर शिक्षकों के साथ सार्थक संवाद किया।

बैठक के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों के फॉर्मेटिव असेसमेंट (एफए) में प्रदर्शन की जानकारी साझा करते हुए उनकी उपलब्धियों एवं सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की। अभिभावकों को विद्यार्थियों की सीखने की प्रगति से अवगत कराया गया तथा बेहतर शैक्षणिक परिणामों के लिए घर पर निरंतर सहयोग प्रदान करने हेतु प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए अवकाश गृहकार्य पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अभिभावकों को बताया गया कि इसका उद्देश्य कक्षा में प्राप्त ज्ञान को सुदृढ़ करना, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा अवकाश अवधि के दौरान विद्यार्थियों की सकारात्मक एवं रचनात्मक सहभागिता सुनिश्चित करना है। शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक सत्र की विस्तृत कार्ययोजना भी अभिभावकों के साथ साझा की गई, जिसमें प्रमुख शैक्षणिक लक्ष्य, सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ, मूल्यांकन कार्यक्रम तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रस्तावित विभिन्न पहलें शामिल थीं। चर्चा के दौरान अभिभावकों एवं विद्यालयों के बीच मजबूत एवं निरंतर साझेदारी के महत्व पर विशेष बल दिया गया।

बैठक के दौरान उपस्थित अभिभावकों को मिड-डे मील (एमडीएम) भी परोसा गया, जिससे उन्हें विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पोषण मानकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

पीटीएम सकारात्मक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें अभिभावकों ने विद्यालयों द्वारा पारदर्शिता, शैक्षणिक योजना एवं विद्यार्थियों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।